E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

12th ANNIVERSARY

वर्ष -12 अंक-21 | प्रयागराज, गुरूवार 26 मार्च, 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

कुवैत के एयरपोर्ट पर ईरान का ड्रोन अटैक,फ्यूल टैंक में आग लगी

तेहरान। अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का आज 26वां दिन है। ईरान ने मंगलवार रात कुवैत

के इंटरनेशनल एयरपोर्ट ड्रोन अटैक किया, जिससे वहां मौजूद फ्यूल टैंक में आग लग गई। कुवैत की सेना ने जवाबी कार्रवाई की है। उन्होंने कहा कि अगर कहीं धमाके की आवाज सुनाई दे रही है, तो वह दुश्मन के ड्रोन और मिसाइलों को हवा में ही मार गिराने की वजह से है। सेना ने लोगों से अपील की है कि वे सरकार के सुरक्षा निर्देशों का पालन करें। इससे पहले कुवैत के नेशनल गार्ड ने बताया कि उसने अपने इलाके में 5 ड्रोन मार गिराए हैं। वहीं, इराक के एक उग्रवादी समूह इस्लामिक रेजिस्टेंस इन इराक ने कहा है कि उसने पिछले 24 घंटे में अमेरिका से जुड़े 23 ठिकानों पर हमले किए हैं।ग्रुप के मुताबिक, इन हमलों में ड्रोन और मिसाइलों का इस्तेमाल किया गया। हालांकि, इन हमलों से कितना नुकसान हुआ, इसकी पूरी जानकारी अभी सामने नहीं आई है। ईरान में हमलों का असर- अब तक करीब 1,500 लोगों की मौत, 18,551 घायल। मरने वालों में 8 महीने के बच्चे से लेकर 88 साल तक के बुजुर्ग। जंग में अब तक करीब 200 महिलाओं की मौत हुई। 28 फरवरी को स्कूल पर हमले में 168 बच्चों की मौत हुई। जंग में 55 हेल्थ वर्कर्स घायल, जिनमें 11 की मौत।कतर के पूर्व प्रधानमंत्री हमद बिन जासिम अल-थानी ने कहा है कि अमेरिका और ईरान के बीच होने वाली किसी भी बातचीत में खाड़ी सहयोग परिषद के देशों को शामिल किया जाना जरूरी है। उन्होंने चेतावनी दी कि क्षेत्र के भविष्य का फैसला इन देशों को नजरअंदाज करके नहीं किया जाना चाहिए। अल-थानी ने कहा कि 'जहां भी क्षेत्र के भविष्य की रूपरेखा तय की जा रही हो, वहां जीसीसी देशों की मौजूदगी जरूरी है।' उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि होर्मुज स्ट्रेट किसी सौदेबाजी का हिस्सा या दबाव बनाने का जरिया नहीं है। इसे हर हाल में बिना किसी शर्त और बिना किसी रुकावट के खुला रहना चाहिए। अल-थानी ने चेतावनी दी कि इस रुट पर किसी एक पक्ष का नियंत्रण पूरे क्षेत्र के लिए खतरा है, इससे वैश्विक अर्थव्यवस्था पर भी गंभीर असर पड़ सकता है।ट्रम्प की सरकार ने मिडिल ईस्ट में करीब 2,000 पैराट्रूपर्स (पैराशूट से उतरने वाले सैनिक) भेजने का फैसला किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, ये सभी सैनिक 82वीं एयरबोर्न डिवीजन से हैं, जो बहुत जल्दी किसी भी जगह पर कार्रवाई करने के लिए जानी जाती है। कहा जा रहा है कि इन सैनिकों को भेजने का मकसद ट्रम्प के पास और ज्यादा सैन्य विकल्प रखना है। यानी अगर जरूरत पड़ी, तो ईरान या उसके आसपास के इलाकों में जमीनी हमला भी किया जा सकता है। यह फैसला ऐसे समय में लिया गया है जब एक तरफ अमेरिका ईरान से बातचीत की कोशिश कर रहा है, और दूसरी तरफ अपनी सैन्य ताकत भी बढ़ा रहा है।

ईरान से युद्ध के बीच ट्रंप ने पीएम मोदी को क्यों किया फोन, होर्मुज स्ट्रेट पर कही बड़ी बात

नयी दिल्ली। ईरान के साथ इजरायल-अमेरिका युद्ध को 26 दिन हो चुके हैं। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बातचीत

का रुख अपनाया है। इसी कड़ी में उन्होंने मंगलवार को प्रधानमंत्री मोदी से पश्चिम एशिया की स्थिति पर चर्चा की। इसमें ईरान की ओर से होर्मुज जलडमरूमध्य में की गई नाकाबंदी का मुद्दा भी उठा, जिसे सुरक्षित करने की आवश्यकता भी बातचीत में शामिल थी। खास बात ये है कि ईरान युद्ध शुरू होने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति की पीएम मोदी संग ये पहली बातचीत थी। इस दौरान प्रधानमंत्री ने बेहद सधे अंदाज में अपनी बात रखी। ट्रंप ने पीएम मोदी को किया फोन-ट्रंप से फोन कॉल पर पीएम मोदी ने मिडिल ईस्ट में तनाव कम करने और जल्द से जल्द शांति बहाल करने के लिए भारत के समर्थन को दोहराया। ट्रंप ने प्रधानमंत्री मोदी को फोन ऐसे समय में किया जब उन्होंने एक दिन पहले ही ईरानी बिजली संयंत्रों पर सैन्य हमलों को पांच दिनों के लिए स्थगित करने की घोषणा की थी।होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोलने के वास्ते ईरान के लिए अमेरिका की ओर से समयसीमा पांच दिन बढ़ाए जाने के एक दिन बाद ट्रंप ने मोदी को फोन किया। पीएम मोदी ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य का खुला, सुरक्षित और सुलभ रहना पूरी दुनिया के लिए आवश्यक है। हमने शांति और स्थिरता के प्रयासों के संबंध में संपर्क में रहने पर सहमति व्यक्त की। इस संबंध में भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने कहा कि दोनों नेताओं ने महत्वपूर्ण पोत परिवहन मार्ग को खुला रखने के महत्व पर विचार-विमर्श किया।ट्रंप ने सोमवार को कहा था कि उन्होंने होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के वास्ते ईरान के लिए समयसीमा बढ़ा दी है और वह ईरानी ऊर्जा प्रतिष्ठानों पर हमलों को पांच दिन के लिए टाल रहे हैं। होर्मुज जलडमरूमध्य फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी के बीच रणनीतिक रूप से स्थित एक समुद्री परिवहन मार्ग है।अमेरिकी राष्ट्रपति ने कोई विवरण साझा किए बिना यह भी कहा कि पश्चिम एशिया में संघर्ष के पूर्ण और समग्र समाधान के लिए अमेरिका और ईरान के बीच सार्थक बातचीत हुई है। ट्रंप ने जैसे ही ये ऐलान किया, इस बात की उम्मीदें बढ़ गई कि मिडिल ईस्ट में जारी घमासान थम सकता है। पीएम मोदी और ट्रंप के बीच हुई इस बातचीत की खबर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने दी।सर्जियो गोर ने यह भी बताया कि ट्रंप इस फोन कॉल के जरिए प्रधानमंत्री मोदी को ईरान युद्ध के हालात की जानकारी देना चाहते हैं। हालांकि ईरान ने पिछले दो हफ्तों में कई भारतीय जहाजों को जलडमरूमध्य से गुजरने की अनुमति दी है, फिर भी कई भारतीय जहाज फंसे हुए हैं। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने मंगलवार को ईरान के राजदूत मोहम्मद फथली से मुलाकात की और स्थिति के बारे में भारत की चिंताओं को साझा किया। साथ ही देश में भारतीयों को ईरान के समर्थन के लिए धन्यवाद दिया।

'अब आतंकवादी देश कराएगा समझौता', ट्रंप की करीबी ने भारत के नाम से शहबाज-मुनीर को लगाई लताड़

नयी दिल्ली। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने मंगलवार को कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच जारी संघर्ष को समाप्त करने के लिए

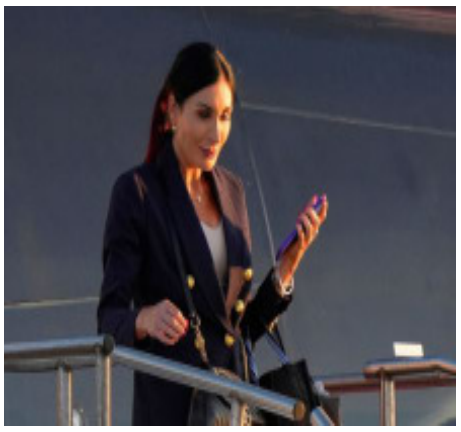

'सार्थक और निर्णायक वार्ता' की मेजबानी को लेकर उनका देश तैयार है। शहबाज शरीफ के इस बयान पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की करीबी मानी जाने वाले लौरा लूमर ने पाकिस्तान को जमकर लताड़ लगाई है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शहबाज शरीफ का पोस्ट शेयर करते हुए लौरा लूमर ने कहा, आतंकवादी पाकिस्तानी सरकार एक और इस्लामी आतंकवादी शासन के साथ युद्ध समाप्त करने के लिए बातचीत कर रही है। शहबाज शरीफ को आईना दिखाते हुए उन्होंने कहा, यह वही पाकिस्तान है जिसके नागरिकों ने कुछ सप्ताह पहले पाकिस्तान में अमेरिकी दूतावासों पर हमला किया था और अमेरिकी दूतावास के कर्मचारियों की हत्या का प्रयास किया था।उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा, पाकिस्तान एक आतंकवादी देश है, उसने पिछले सप्ताह ही भारत पर परमाणु हमला करने की धमकी दी थी। लौरा लूमर की यह प्रतिक्रिया पाकिस्तान के प्रधानमंत्री की सोशल मीडिया पोस्ट के बाद आई है।बता दें लौरा लूमर को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का कट्टर समर्थक और करीबी माना जाता है।

हाल में ही वह भारत दौरे पर आई थी। वह अक्सर एक वर्ग विरोधी बयानों के कारण सुर्खियों में रहती हैं। लूमर ने फ्लोरिडा से रिपब्लिकन पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ा, लेकिन हार गईं। क्या है मामला? शरीफ ने पोस्ट में कहा, 'अमेरिका और ईरान की सहमति होने पर पाकिस्तान संघर्ष के व्यापक समाधान के लिए सार्थक और निर्णायक वार्ता की मेजबानी की पोस्ट को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर शेयर किया। इससे पहले, विदेश कार्यालय ने मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए अटकलों से बचने और अमेरिकी एवं ईरानी प्रतिनिधियों के बीच वार्ता स्थल के बारे में आधिकारिक घोषणाओं का इंतजार करने का आग्रह किया था। विदेश कार्यालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी ने कहा, 'पाकिस्तान अपनी नीति के अनुरूप, पश्चिम एशिया और फारस की खाड़ी में जारी संघर्ष के समाधान के लिए राजनयिक माध्यमों और प्रयासों के प्रति प्रतिबद्ध है। युद्ध के चौथे सप्ताह में प्रवेश करने के साथ ही विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मीडिया संस्थानों ने इस्लामाबाद को वार्ता के संभावित स्थल के रूप में बताया है। इंटरनेशनल मीडिया ने क्या कहा? ब्रिटेन के अखबार फाइनेंशियल टाइम्स के अनुसार, पाकिस्तान के रक्षा बलों के प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर ने रविवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से बात की और अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थता की भूमिका निभाने का अनुरोध किया। सीएनएन के अनुसार, अमेरिका ने ईरान को 15 मांगों की एक सूची भेजी है, जिसमें पाकिस्तान के माध्यम से अपनी अपेक्षाओं का ब्यौरा दिया गया है। सोमवार को ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर घोषणा की थी कि अमेरिका ईरानी बिजली संयंत्रों पर हमलों को पांच दिनों के लिए स्थगित कर देगा। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका ने पिछले कुछ दिनों में 'ईरान के साथ बहुत अच्छी और सार्थक बातचीत' की है।

हरीश राणा का हुआ अंतिम संस्कार,पिता हाथ जोड़कर बोले- कोई रोना मत,अंगदान से 6 को नई जिंदगी मिलेगी

गाजियाबाद। इच्छामृत्यु पाने वाले गाजियाबाद के हरीश राणा

का अंतिम संस्कार हो गया। दिल्ली के ग्रीन पार्क श्मशान घाट में बुधवार सुबह 9.40 बजे छोटे भाई आशीष ने मुखाग्नि दी। इससे पहले, हरीश का पार्थिव शरीर श्मशान घाट लाया गया। पिता अशोक राणा (62) ने बेटे हरीश को आखिरी बार प्रणाम किया। पिता ने रोते हुए लोगों से हाथ जोड़कर कहा-'कोई रोना मत। बेटा शांति से जाए, इसलिए प्रार्थना कर रहा हूं। बेटा अब जहां जन्म ले, उसे भगवान का आशीर्वाद मिले।' 31 साल के हरीश ने कल यानी 24 मार्च को दिल्ली एम्स में अंतिम सांस ली थी। वे 13 साल से कोमा में थे। डॉक्टर्स के मुताबिक परिवार ने हरीश के फेफड़े, दोनों किडनी और कॉर्निया दान किया है। इससे 6 लोगों को नया जीवन मिलने की उम्मीद है। हरीश को एम्स में पैसिव यूथेनेशिया दिया गया। इसका मतलब होता है कि किसी गंभीर रूप से बीमार मरीज को जिंदा रखने के लिए जो बाहरी लाइफ सपोर्ट या इलाज दिया जा रहा है, उसे रोक दिया जाए या हटा लिया जाए, ताकि मरीज की प्राकृतिक रूप से मौत हो सके।सुप्रीम कोर्ट ने हरीश को 11 मार्च को इच्छामृत्यु की इजाजत दी थी। यह देश का पहला मामला है, जिसमें किसी को इच्छामृत्यु दी गई थी। हरीश को 14 मार्च को गाजियाबाद वाले घर से दिल्ली एम्स में शिफ्ट किया गया। 16 मार्च को हरीश की फीडिंग ट्यूब (खाने की नली) हटा दी थी।दिल्ली में जन्मे हरीश राणा चंडीगढ़ की पंजाब यूनिवर्सिटी से बीटेक की पढ़ाई कर रहे थे। 2013 में वह हॉस्टल की चौथी मंजिल से गिर गए। इसकी वजह से उनके पूरे शरीर में लकवा मार गया और वह कोमा में चले गए। वह न कुछ बोल सकते थे और न ही महसूस कर सकते थे। डॉक्टर्स ने हरीश को क्वाड्रिप्लेजिया बीमारी से पीड़ित करार दिया था। इसमें मरीज पूरी तरह से फीडिंग ट्यूब यानी खाने-पीने की नली और वेंटिलेटर सपोर्ट पर निर्भर रहता है। इसमें रिकवरी की कोई गुंजाइश नहीं होती। 13 साल से बिस्तर पर पड़े होने की वजह से हरीश के शरीर पर बेडसोर्स यानी गहरे घाव बन गए थे। उनकी हालत लगातार खराब होती जा रही थी। यह स्थिति हरीश के लिए बहुत दर्दनाक थी। परिवार के लिए उन्हें ऐसे देखना मानसिक रूप से बेहद कठिन हो गया था। वेंटिलेटर, दवाइयों, नर्सिंग और देखभाल पर 13 साल में इतना खर्च हो चुका था कि परिवार आर्थिक रूप से टूट चुका था। हरीश के परिवार ने सबसे पहले 3 अप्रैल, 2024 को दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर कर इच्छामृत्यु की इजाजत मांगी थी। हालांकि, कोर्ट ने याचिका खारिज कर दी थी। इसके बाद परिवार ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था।

एलपीजी सिलेंडर में 14.2 किग्रा गैस ही क्यों होती है? 14 या 15 किलो क्यों नहीं, जानें किस कंपनी ने की थी शुरुआत

नयी दिल्ली। ईरान युद्ध के कारण भारत समेत दुनिया के कई देशों में एलपीजी की किल्लत हो गई है। इससे चलते घरेलू से लेकर कमर्शियल गैस सिलेंडर तक मिलने में परेशानी हो रही है। अगर आपके घर भी एलपीजी गैस आती है तो आपने गौर किया होगा कि एलपीजी सिलेंडर पर 14.2 किग्रा लिखा होता है।

क्या आपने कभी सोचा है कि सिलेंडर पर सीधे-सीधे 14 या 15 किलो क्यों नहीं लिखा होता? दरअसल, सिलेंडर पर 14.2 किग्रा लिखा होना कोई इत्तेफाक नहीं, बल्कि दशकों के इंजीनियरिंग अनुभव, सुरक्षा नियमों और व्यावहारिक परीक्षणों का नतीजा है। भारत अपनी एलपीजी जरूरतों का लगभग 60 से 62फीसदी हिस्सा आयात करता है। यही कारण है कि वैश्विक तनाव का सीधा असर आपकी रसोई के बजट पर पड़ता है। चूंकि ईरान युद्ध के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य में तेल और गैस के टैंकर फंसे हुए हैं। ईरान अधिकतर टैंकरों को वहां से निकलने की इजाजत नहीं दे रहा है। ऐसे में भारत समेत दुनिया में तेल और गैस की दिक्कत शुरू हो गई है। सिलेंडर 14.2 किलो का ही क्यों? भारत में 14.2 किलो का मानक 1950 के दशक के अंत में शुरू हुआ था। उस समय बर्मा शेल कंपनी ने पहली बार एलपीजी पेश की थी। बर्मा शेल को अब भारत पेट्रोलियम के नाम से जाना जाता है। उस समय गैस सिलेंडर के मानक को लेकर कोई तय कानून नहीं था। लेकिन कई एक्सपेरिमेंट के दौरान यह पाया गया कि 14.2 किलो का वजन सबसे व्यावहारिक और कुशल है। इसके ये कारण थे:-एक खाली सिलेंडर का वजन और उसमें भरी 14.2 किलो गैस मिलाकर कुल वजन लगभग 29 से 30 किलो हो जाता है। रिसर्च में पाया गया कि इस वजन को एक औसत व्यक्ति या डिलीवरी कर्मचारी आराम से उठा सकता है। अगर सिलेंडर में 15 किलो गैस भरी जाती, तो कुल वजन इतना बढ़ जाता कि तंग गलियों या बहुमंजिला इमारतों में इसे सीढ़ियों से ले जाना बहुत मुश्किल हो जाता। घरेलू खपत भी मुख्य कारण-एक औसत भारतीय परिवार की जरूरतों को देखते हुए यह वजन तय किया गया है। मनीकंट्रोल के मुताबिक 14.2 किलो गैस एक सामान्य परिवार के लिए लगभग 30 से 45 दिन तक चलती है। ऐसे में ग्राहकों को बार-बार बुकिंग नहीं करनी पड़ती और सप्लाई चेन पर भी अतिरिक्त दबाव नहीं पड़ता।एलपीजी असल में प्रोपेन और ब्यूटेन गैसों का मिश्रण है। सुरक्षा को देखते हुए भी एलपीजी सिलेंडर में 14.2 किलो ही गैस भरी जाती है। दरअसल, एलपीजी को हाई प्रेशर में स्टोर किया जाता है। सिलेंडर के भीतर गैस फैलती है। इसके लिए सिलेंडर में खाली जगह छोड़ना जरूरी होता है। अगर इसमें ज्यादा गैस भरी जाए, तो तापमान बढ़ने पर सिलेंडर पर दबाव बनेगा। अगर दबाव ज्यादा बना तो सिलेंडर फट भी सकता है।

राजस्थान से सटे पाकिस्तान के सिंध की रेत के नीचे मिला अनमोल खजाना

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में स्थित थारपरकर को एक मुश्किल क्षेत्र के रूप में देखा जाता रहा है। इसकी वजह यहां का रेतीला क्षेत्र है, लेकिन अब इसी थार की रेत के नीचे ऐसा खजाना छिपा है, जो पाकिस्तान की तकदीर बदल सकता है। गुजरात और राजस्थान से सटे पाकिस्तान के थार क्षेत्र में बड़ी मात्रा में सिलिका युक्त रेत मौजूद है, जो औद्योगिक विकास के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। खासतौर पर जब पाकिस्तान बड़ी मात्रा में कांच और उससे जुड़े उत्पाद आयात करता है। ये चीजें निर्माण और पैकेजिंग के साथ ही रीन्यूएबल एनर्जी के लिए बहुत जरूरी है। पाकिस्तान को होगी मोटी कमाई- हालांकि, यह इतना आसान नहीं है। इसके लिए पाकिस्तान को रेत की प्रोसेसिंग करनी होगी, जिसके लिए निवेश करना आर्थिक रूप से संकट में घिरे देश के लिए बड़ी मुश्किल है। विश्लेषक इसे साफ-साफ आर्थिक विफलता का उदाहरण बताते हैं। उनका कहना है कि कच्ची रेत से बहुत कम आमदनी होती है, जबकि प्रोसेस्ड

कांच की कीमत कई गुना बढ़ जाती है। व्यापारिक घाटे और बेरोजगारी का सामना कर रहे पाकिस्तान के लिए इस संसाधन का इस्तेमाल न कर पाना उसकी अक्षमता को दिखाता है।विश्लेषक पाकिस्तान के लिए थार में परिस्थितियां अनुकूल बताते हैं। बहुत कम क्षेत्र ऐसे हैं, जहां ये सारे फायदे एक साथ मिलते हैं।संसाधन- यहां सिलिका रेत की भरपूर मात्रा है। ऊर्जा- मौजूदा कोयला ढांचा और सौर ऊर्जा के बढ़ते इस्तेमाल से ऊर्जा तक पहुंच भी आसान है। पहुंच- कराची बंदरगाह के करीब होना इसे मध्य-पूर्व, अफ्रीका और मध्य एशिया के बाजारों में पहुंचने का रास्ता देता है। एक्सपर्ट का कहना है कि थोड़े से निवेश से भी यहां काफी राजस्व की कमाई हो सकती है। इसकी शुरुआत व्यवहारिक और चरणबद्ध तरीके से हो सकती है, जिसके लिए मध्यम स्तर के कांच बनाने वाले कारखाने लगाए जा सकते हैं।लेकिन कंगाल पाकिस्तान के लिए निवेश जुटाना सबसे मुश्किल काम होगा। खासतौर पर जब देश की अर्थव्यवस्था संकट से गुजर रही है और इस्लामाबाद अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के बेलआउट पैकेज की तरफ निहार रहा है। पिछले महीने पाकिस्तान के योजना मंत्री अहसान इकबाल ने बताया था कि देश में गरीबी 11 साल के सबसे उच्चतम स्तर 29फीसदी पर पहुंच गई है, जबकि आय में असमानता 27 साल के उच्चतम सतर पर हैं। देश में 7 करोड़ से ज्यादा अति गरीबी में जी रहे हैं।

घर के पास पीएनजी पाइपलाइन, तो कनेक्शन लेना ही होगा,3 महीने कंपनी के नोटिस के बाद एलपीजी सप्लाई बंद होगी

नयी दिल्ली। अगर आपके घर के पास गैस पाइपलाइन आ गई है और आपने पीएनजी कनेक्शन नहीं लिया है, तो अगले 3 महीने में आपके घर आने वाला एलपीजी सिलेंडर बंद कर दिया जाएगा। मिडिल-ईस्ट में जारी युद्ध और गैस की किल्लत को देखते हुए केंद्र सरकार ने 'नेचुरल गैस और पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स डिस्ट्रीब्यूशन ऑर्डर 2026' लागू किया है। इसके तहत अब पाइप वाली गैस का कनेक्शन लेना अनिवार्य होगा। हालांकि, इसके लिए पहले नोटिस दिया जाएगा। सूचना मिलने के बाद भी अगर कोई कनेक्शन नहीं लेता, तो 90 दिन बाद उसकी एलपीजी सप्लाई रोक दी जाएगी। साथ ही सोसाइटियों को 3 दिन में पाइपलाइन की मंजूरी भी देनी होगी। 1. सोसाइटी को 3 दिन के अंदर मंजूरी देनी होगी- कई बार हाउसिंग सोसायटियों या रेसिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन के विरोध की वजह से पाइपलाइन का काम रुक जाता था। अब ऐसा नहीं होगा। अगर कोई कंपनी पाइपलाइन के लिए रास्ता मांगती है, तो सोसाइटी को 3 दिन के अंदर मंजूरी देनी होगी। अगर सोसाइटी ने मना किया या देरी की, तो वहां रहने वाले सभी घरों की एलपीजी सप्लाई पर रोक लगाई जाएगी। 2. छोटे इलाकों को 10 दिन में मंजूरी मिलेगी- पाइपलाइन बिछाने के लिए अब सरकारी विभागों को फाइलों को अटकाने की इजाजत नहीं है। छोटे नेटवर्क के लिए 10 दिन और बड़ी लाइनों के लिए 60 दिन में मंजूरी देना अनिवार्य है। अगर विभाग तय समय में जवाब नहीं देता, तो उसे 'डीम्ड क्लियरेंस' यानी 'ऑटोमैटिक मंजूरी' मान लिया जाएगा और काम शुरू कर दिया जाएगा। 3. पाइपलाइन के लिए जमीन मालिक को दोगुना मुआवजा-अगर पाइपलाइन किसी की निजी जमीन से गुजर रही है, तो अब मुआवजे को लेकर सालों तक केस नहीं चलेंगे। सरकार ने इसके लिए एक फिक्स फॉर्मूला बना दिया है: जमीन के कमर्शियल सर्किल रेट का 30फीसदी हिस्सा मालिक को मुआवजे के तौर पर दिया जाएगा।

क्वॉड से दूरी बना रहा अमेरिका,जिनपिंग को खुश करने में जुटे ट्रंप, भारत के लिए है बुरी खबर

नयी दिल्ली। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की दादागिरी से निपटने के

लिए अमेरिका, भारत, जापान और ऑस्ट्रेलिया का मिलकर बनाया गया संगठन क्वॉड अब वॉशिंगटन की प्राथमकिता में नहीं दिखाई दे रहा है। साल 2024 के बाद से ही क्वॉड की शिखर बैठक नहीं हुई है। चीन की बढ़ती सैन्य तैयारी के बीच यह बैठक भारत में होनी है लेकिन डोनाल्ड ट्रंप इसको लेकर कोई रुचि ही नहीं ले रहे हैं। इससे क्वॉड के भविष्य को लेकर अनिश्चितता के बादल मंडराने लगे हैं। इसकी बजाय ट्रंप चीन को ही खुश करने में जुट गए हैं। इस साल वह चीन के दौरे पर जाने वाले हैं लेकिन अभी तक भारत को लेकर उनकी ऐसी कोई योजना नहीं है। यही नहीं भारत के दौरे पर आए अमेरिका के युद्ध मंत्रालय के सहायक मंत्री एल्ब्रिज कोल्बी ने मंगलवार को क्वॉड को लेकर कोई जिक्र नहीं किया। अमेरिकी मंत्री एल्ब्रिज कोल्बी ने कहा कि वॉशिंगटन और नई दिल्ली हिंद प्रशांत क्षेत्र में स्थायित्व को सुनिश्चित करने के लिए सैन्य ताकत के महत्व को दोनों देश समझते हैं। उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका की इच्छा है कि कोई भी ताकत हिंद प्रशांत क्षेत्र में अपना एकाधिकार स्थापित नहीं कर सके। इस दौरान उन्होंने क्वॉड का कोई जिक्र नहीं किया। कोल्बी ने भारत को इस इलाके में एक 'जरूरी पार्टनर' बताया। उन्होंने यह भी कहा कि दोनों देशों में मतभेद हैं लेकिन 'प्रभावी तरीके से सहयोग के लिए' हर मुद्दे पर सहमत होना जरूरी नहीं है।कोल्बी ने कहा, 'अमेरिका का लक्ष्य दो महान देशों के बीच भागीदारी को बनाना है **आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

शिक्षा के साथ-साथ बच्चों को खेल भी जरूरी तभी होगा विकास डॉ. अनिल कुमार यादव

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) वाराणसी/हरहुआ। खिलाड़ियों को खेल भावना के साथ खेलते हुए

जीवन में ऊंचाइयां हासिल करनी चाहिए। शिक्षा के साथ-साथ खेलकूद में भागीदारी से ही छात्र-छात्राओं का सर्वांगीण विकास संभव है। यह बातें डॉ. अनिल कुमार यादव एवं डॉ. रणधीर सिंह ने कही। वे शाहपुर फुटबॉल संघ द्वारा आयोजित सांध्यकालीन साप्ताहिक फुटबॉल प्रतियोगिता के शुभारंभ अवसर पर खिलाड़ियों को संबोधित कर रहे थे। शाहपुर स्थित प्राथमिक विद्यालय के खेल मैदान में आयोजित इस प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। उन्होंने कहा कि खेल न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक विकास के लिए भी आवश्यक है और इससे अनुशासन, टीम भावना एवं आत्मविश्वास का विकास होता है। प्रतियोगिता के उद्घाटन मैच में शिएट कॉलेज बाबतपुर और पटेल स्पोर्टिंग क्लब गणेशपुर के बीच मुकाबला खेला गया। इस प्रतियोगिता में जनपद की दर्जनों टीमें भाग ले रही हैं, जिससे क्षेत्र में खेल के प्रति उत्साह देखा जा रहा है। उद्घाटन अवसर पर संघ के अध्यक्ष शिवशंकर सिंह, सचिव डॉ. रामनरेश सिंह (एडवोकेट), मैनेजर रामसूरत राजभर, कोषाध्यक्ष ऋषिकेश सिंह (एडवोकेट), कप्तान जितेंद्र पटेल एवं उपकप्तान आदेश पटेल ने मुख्य अतिथियों का अंगवस्त्र, स्मृति चिन्ह व माल्यार्पण कर स्वागत किया। कार्यक्रम में कप्तान सिंह, टीम संरक्षक रामसजीवन पटेल, कोच आनंद पटेल, रेफरी विनोद कुमार सिंह (सेवानिवृत्त आर्मी), कमलेश कुमार सिंह (एडवोकेट), लाइंसमैन ओमकार सिंह, नीरज राय, अनुज राय, विकास राय सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति व खिलाड़ी उपस्थित रहे।

रुक्मिणी विवाह प्रसंग पर बाल ब्रह्मचारी दंडी स्वामी का ओजस्वी प्रवचन,प्रेम, समर्पण और श्रद्धा से ही मिलते हैं श्रीकृष्ण भाव, भक्ति और संगीत का उत्सव

श्रीमद्भागवत कथा में राधे-राधे' के जयघोष से गूंजा पूरा पंडाल

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। शहर के इंदिरा नगर कॉलोनी स्थित जीएस लॉन में चल रही साप्ताहिक संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा के छठवें दिन का दृश्य मानो भक्तिरस की जीवंत धारा में परिवर्तित हो उठा। जैसे ही कथा व्यास बाल ब्रह्मचारी (डंडी स्वामी) श्री आनंदाश्रम जी महाराज ने श्री रुक्मिणी विवाह प्रसंग का वर्णन प्रारंभ किया, पूरा पंडाल भक्ति, भाव और उल्लास के अद्भुत संगम में डूब गया। श्रोता न केवल कथा सुन रहे थे, बल्कि उस दिव्य प्रसंग को सजीव रूप में अनुभव कर रहे थे। कथा व्यास ने अत्यंत प्रभावशाली शैली में कहा कि 'जहां सच्चा प्रेम, अटूट विश्वास और पूर्ण समर्पण होता है, वहीं भगवान श्रीकृष्ण का वास होता है।' उन्होंने रुक्मिणी जी के जीवन को उदाहरण बताते हुए कहा कि विपरीत परिस्थितियों, सामाजिक बंधनों और बाधाओं

के बावजूद उनका अडिग विश्वास ही उन्हें प्रभु श्रीकृष्ण तक ले गया। यह प्रसंग केवल एक विवाह कथा नहीं, बल्कि आत्मा और परमात्मा के मिलन का प्रतीक है। डंडी स्वामी जी महाराज ने भावपूर्ण शब्दों में वर्णन किया कि रुक्मिणी ने अपने हृदय में श्रीकृष्ण को पति रूप में स्वीकार कर लिया था और उसी अटूट निष्ठा के बल पर उन्होंने अपने जीवन की हर बाधा को पार किया। भगवान श्रीकृष्ण ने भी उनके प्रेम और भक्ति का सम्मान करते हुए सभी विघ्नों को समाप्त कर उनका हरण कर विवाह संपन्न किया। जैसे-जैसे कथा आगे बढ़ती गई, श्रद्धालु भावविभोर होकर 'राधे-राधे' और 'जय श्रीकृष्ण' के उद्घोष के साथ झूम उठे। कथा के दौरान संगीतमय भजनों और मधुर कीर्तन ने वातावरण को पूरी तरह आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। पूरा परिसर भक्ति के रंग में रंगा नजर आया। कथा व्यास ने अपने प्रवचन में कहा कि जब मनुष्य सच्चे मन से भगवान को पुकारता है, तो प्रभु स्वयं उसके जीवन में मार्गदर्शक बनकर प्रकट होते हैं और उसे हर संकट से उबारते हैं। इस अवसर पर धर्मक्षेत्र-कुरुक्षेत्र (हरियाणा) से संचालित आध्यात्म प्रेरित सेवा संस्थान 'मातृभूमि सेवा मिशन' इकाई रायबरेली परिवार द्वारा कथा व्यास का भव्य सम्मान किया गया। संयोजक प्रदीप पांडेय, सहसंयोजक रामानुज मिश्रा, जिला पतंजलि प्रभारी एवं मुख्य योग प्रशिक्षक प्रकाश नारायण पाठक, महामंत्री देवेंद्र नाथ मिश्रा व संरक्षक देवेंद्र मिश्रा ने मंच पर अंगवस्त्र एवं माल्यार्पण कर उनका अभिनंदन किया और आशीर्वाद प्राप्त किया।कुल मिलाकर श्रीमद भागवत कथा ने न केवल श्रद्धालुओं को भावविभोर किया, बल्कि प्रेम, समर्पण और आस्था के उस शाश्वत संदेश को भी जीवंत कर दिया, जो श्रीमद्भागवत कथा की आत्मा है। इसी क्रम में अंतरराष्ट्रीय संस्था भारत सेवक समाज के अध्यक्ष शिव नारायण सोनी, शिव शक्ति सेवादार समिति एवं भारत विकास परिषद के अध्यक्ष नवल किशोर बाजपेई, ब्राह्मण एकता मंच के महामंत्री अशोक मिश्रा, परिषद पदाधिकारी व मेडिकल स्टोर संचालक रमेश चंद्र तिवारी ने भी कथा व्यास का शॉल व माला पहनाकर सम्मान किया। श्रीमद्भागवत कथा के मुख्य यजमान सुनीता शर्मा व मनोज शर्मा सहित आयोजन में ज्ञान शंकर तिवारी, रमाकांत मिश्रा, विकास मिश्रा, सदानंद शुक्ला, नित्यानंद शुक्ला समेत बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

06 वाहनों पर अवैध ओवरलोडिंग के विरूद्ध हुई कार्यवाही

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता त्रिपाठी व खनन अधिकारी सुरेश (संयुक्त टीम) द्वारा डलमऊ-

माथुर के निर्देशानुसार अन्य जनपदों से आने वाले डम्फरो की खनन टास्क फोर्स की टीम, जिसमें उपजिलाधिकारी डलमऊ सतेन्द्र सिंह व क्षेत्राधिकारी डलमऊ गिरजा शंकर लालगंज मार्ग में अवैध खनन/परिवहन/ओवरलोड वाहनों के विरूद्ध कार्यवाही करते हुए 6 वाहनों का ऑनलाइन चालान करते हुए रु0 2,33,220/- का जुर्माना जमा

29 मार्च से होने वाली श्रीराम कथा की तैयारियां जोरों पर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सेक्टर 82 के पॉकेट 7 के सेंट्रल पार्क में 29 मार्च से आयोजित श्री राम कथा के आयोजन की तैयारियां जोर-शोर से चल रही है। कथा व्यास अनंत श्री विभूषित महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 स्वामी पंचमानंद जी महाराज (श्री पंचायती महानिर्वाणी अखाड़ा) के मुखारविंद से नव दिवसीय श्री राम कथा की अमृत रूपी वर्षा होगी, जिसमें आप सभी सम्मानित भक्तगण भी सपरिवार सादर आमंत्रित हैं। श्री राम कथा की महिला मंडल की टीम घर-घर जाकर श्री राम कथा और कलश यात्रा के लिए जनसंपर्क कर रही है कल महिला मंडल सदस्यों ने पॉकेट 7, श्रमिक कुंज और गेझा गांव में घर-घर जाकर कलश यात्रा के लिए निमंत्रण दिए ,यह कथा 29 मार्च को कलश यात्रा के साथ प्रारंभ होगी । कलश यात्रा सेक्टर 82 पाकेट 7,एल आई जी, विवेक विहार, पाकेट 12 होते हुए कथा पंडाल में समापन होगी। कलश यात्रियों के लिए एल आई जी एवं पाकेट 12 में जलपान की व्यवस्था भी होगी। 7 अप्रैल को हवन आरती और विशाल भंडारे के साथ पूर्णाहुति होगी । रवि राघव ने बताया है कि हमारी सोसायटी में विगत कई वर्षों से श्री राम कथा का आयोजन समस्त भक्तगणों के सहयोग से होता आ रहा है।

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICE

ADDRESS- Naini,Prayagraj U.P-211008. PAN No. ABJPA1540R,Reg.No.03-0068604

Regd. Under Additional Director General of Police U.P. vide Reg. No. 2453
+91-7985619757,+91-7007472337

We Are Providing Security & Manpower Services in School/ University/Institute/ Hospital/Office Premises

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES:-
takes great pleasure in Providing Security arrangement and Office Staff for your Organization premises. We have with us talented and well trained Disciplined persons, each having exposure to industrial/commercial security and intelligence knowledge in their field. Our personnel's are physically fit, courageous disciplined and well trained in their field. They are bold but polite, peace loving but not coward, friendly but shrews while duty, sharp in act but very claim and affable where presence of mind is lost by the common man, ailing but smelling the red hounds, work in the common climate but vigilant and faithfully to the organization. It is on account of the above trait that our services are engaged by reputed organization which consists of Schools, University, Banks, Government, industrial Concern, Hotels, Hospitals, Educational Institutes, Housing Societies/Bungalows, Semi Government and Government Organization.

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES is registered by:-
Additional Director General of Police, (Law & Order), Deputy Labour Commissioner, Employees Provident Fund Organization, Employees State Insurance Corporation, Goods & Services Tax, MSME Registration..(Govt. of

FOR JOB CONTACT:- 9569430885

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES Manpower Category:-
Assignment Manager, Housekeeping Manager, Assignment Supervisor, Housekeeping Supervisor, Accountant, Driver, Computer Operator, Electrician, Data Entry operator, Carpenter, Clerk, Office Boy, M.T.S, Sweeper, Peon, Gardner, Computer Teacher, Agriculture Labour, TGT & PGT Teacher, Quality/Technical Manpower as per your requirement

नवनिर्माण के 09 दिवसीय मेले/प्रदर्शनी में एक दिवसीय जागरूकता शिविर एवं निःशुल्क टूल-किट्स वितरण कार्यक्रम संपन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

रायबरेली। उत्तर प्रदेश सरकार के नवनिर्माण के 9 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आर0डी0ए0 के लाभार्थियों डमी चेक एवं माटीकला उद्योग को प्रोत्साहित करने वाले जनपद के विभिन्न विकास खण्डों के 30 ग्राम प्रधानों सम्बन्ध ग्रामीण अर्थव्यवस्था व उनके उत्थान के लिए है। उन्होंने कहा कि उ0प्र0 सरकार ग्रामीण क्षेत्र के लोग जिनका परम्परागत

सामुदायिक केंद्र, रतापुर में 09 दिवसीय मेले/प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम में आज मा0 विधायक सलोन अशोक कुमार द्वारा विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए

स्टालों का अवलोकन किया गया। आयोजित कार्यक्रम में खादी एवं ग्रामोद्योग विभाग द्वारा उ0प्र0 माटीकला बोर्ड के एक दिवसीय जागरूकता शिविर एवं निःशुल्क टूल-किट्स वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में माटीकला टूल-किट्स वितरण योजनान्तर्गत 43 लाभार्थियों को निःशुल्क टूल किट एवं उद्योग विभाग द्वारा मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के 05 को स्मृति चिन्ह व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मा0 विधायक सलोन ने अपने उद्बोधन में कहा कि उ0प्र0 सरकार के कार्यकाल के 09 वर्ष पूर्ण होने पर इस कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के माध्यम से सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी लोगों तक पहुचाना व समाज के अन्तिम व्यक्ति तक उन योजनाओं का लाभ पहुचाना जिससे कि कोई भी पात्र लाभ से वंचित न रहें। उन्होंने कहा कि ग्रामीण औद्योगीकरण के क्षेत्र में उ0प्र0 खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड व उ0प्र0 माटीकला बोर्ड की अहम भूमिका है, इसका सीधा व्यवस्था है, उनको उस व्यवसाय से जोड़कर समृद्ध बनाने के लिए कार्य कर रही है। लोगों को परंपरागत व्यवसाय करने के लिए प्रशिक्षण प्रदान कर दक्ष बनाया जा रहा है, उनके प्रोडक्ट को मार्केट उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे लोगों को स्थानीय स्तर पर रोजगार मिल सके व उनके प्रोडक्ट को पहचान मिल सके। ऐसे बहुत सी योजनाएं सरकार की संचालित है, जनसामान्य उन योजनाओं की जानकारी ले व उसका लाभ उठायें। कार्यक्रम में जिला ग्रामोद्योग अधिकारी संतोष कुमार गौतम ने खादी एवं ग्रामोद्योग विभाग द्वारा संचालित सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की। मंच का संचालन एस0एस0 पाण्डेय द्वारा किया गया। कार्यक्रम में सतीश प्रजापति, अवधेश प्रजापति, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी मोहन त्रिपाठी, डीडीएम नबार्ड रवि सिंह, एलडीएम रूपेश दुबे सहित सम्बन्धित अधिकारी व लाभार्थीगण उपस्थित रहे।

कंप्यूटर संचालक और प्रोग्रामिंग सहायक (COPA) केशल के महत्वपर कॉमिक्स

नेंनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागाज

सतना में सेन समाज विकास संगठन की बैठक हुई संपन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सतना। सेन समाज विकास संगठन जिला सतना की आज दिनांक 24/03/2026 को आवश्यक बैठक खेरमाई मंदिर प्रांगण में आयोजित की गई, बैठक में मुख्य मुद्दा संत शिरोमणि सेन जी महाराज की जन्म भूमि में जयंती के कार्यक्रम मानपूर बांधवगण जिला उमरिया मे 14 अप्रैल एवं उसके पूर्व 13 अप्रैल को वहीं पर सेन समाज के विवाह योग्य युवक-युवतियों का एक परिचय सम्मेलन रखा गया है। जिससे समाज में एक सामाजिक समरसता को ध्यान में रखकर दहेज रूपी कुप्रथाओं को समाप्त करने का एक प्रयास परिचय सम्मेलन समाधान का माध्यम बनेगा उसी तारतम्य में आज कमेटी की अहम भूमिका रही। जिला अध्यक्ष संतोष सेन के साथ सभी सामाजिक बंधुओं का सहयोग प्राप्त हुआ सभी ने बारी बारी से अपना अपना मत रखा और एक साथ मिलकर कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अग्रसर रहेगें। कार्यक्रम में पधारे राजेश सेन (प्रदेश उपाध्यक्ष), सुरेश कुमार सेन (प्रदेश उपाध्यक्ष युवा मोर्चा), संतोष सेन (जिला अध्यक्ष), रामाधार सेन (पूर्व जिला अध्यक्ष एवं संरक्षक), हेमराज सेन (ग्रामीण जिला अध्यक्ष), बृजेश सेन (कार्यवाहक अध्यक्ष), मनोज सेन गोलू (नगर अध्यक्ष), गिरधारी लाल सेन (जिला सचिव), राजेश सेन (नगर महामंत्री), बलराम सेन, राजेश सेन लल्लू, (जिला सदस्य), श्रीमति पूनम सेन (जिला उपाध्यक्ष महिला मोर्चा), सुग्रीव सेन (सदस्य जिला कमेटी), शिवानी सेन, बबलू सेन, रमेश सेन, कमलेश सेन, जितेंद्र सेन, आदि लोग उपस्थित रहें।

मैहर जनपद पंचायत के कर्मचारियों के पीएफ में हो रहा गोलमाल

संविदा कर्मचारियों के वेतन से कटी पीएफ की राशि सालों से उनके खाते में जमा नहीं की गई

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) मैहर। जब बारी ही खेत को खाए तो कौन सुरक्षा कर सकता है यह एक देशी कहावत है जो मैहर जनपद पंचायत में सुनी जा रही है। जनपद पंचायत में इस समय चर्चा का विषय बना हुआ है कि मैहर जनपद पंचायत में पदस्थ लगभग 11 संविदा में पदस्थ कर्मचारियों के वेतन से पीएफ की राशि लगभग 2 हजार प्रतिमाह काट तो ली जाती है मगर आम सालों से उनके खातों में यह राशि जमा नहीं की गई है जिससे कर्मचारियों में असंतोष पनपता जा रहा है कि सतना में बैठे अधिकारियों के द्वारा काटी जा रही पीएफ की राशि उनके खातों में क्यों जमा नही हो रही है। अगर यह राशि उनके खातों में जमा की गई होती जो उस राशि का निर्धारित ब्याज भी उनके खातों में जुड़ता मगर यहां दोहरी मार हो रही एक तो कटी हुई राशि जमा नहीं हो रही उस पर मिलने वाले ब्याज का नुकसान कर्मचारियों को उठाना पड़ रहा है। सरकार के द्वारा वार्षिक आधार पर पीएफ जमा कर ब्याज दिया जाता है। प्रा' जानकारी में बताया गया है कि 31-3-24 से कटी हुई पीएफ की राशि कर्मचारियों के खाते में नही जमा की गई है। यह भी बताया जा रहा है कि जिला जनपद पंचायत कार्यालय सतना के द्वारा इस राशि की ब्याज हजम की जा रही हैवहीं कर्मचारी परेशान है कि उनका हक मारा जा रहा है। अगर ऐसा नही है तो कर्मचारियों को बताया जाना चाहिए कि किस कारण से पीएफ की राशि उनके खातों में नहीं जमा की जा रही है। पीएफ नौकरीपेशा लोगों के लिए बचत की एक सरकारी योजना है जिसमें कर्मचारी और नियोक्ता दोनों का वेतन का एक हिस्सा जमा करते है जो कर्मचारी की सेवा समा' पर एक मुस्त राशि मय ब्याज के अदा की जाती है।

प्रयागराज में चायल विधायक पूजा पाल का सपा पर बड़ा हमला

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। पूजा पाल ने अतीक अहमद को लेकर अखिलेश यादव पर साधा निशाना। सपा सरकार में अतीक को संरक्षण मिलने का आरोप। पूजा पाल बोलीं - फिल्म ने खोले अतीक और सपा के रिश्तों के राज। 'सपा शासन में अतीक ने देश को दीमक की तरह खोखला किया'। योगी आदित्यनाथ को बताया धुरंधर मुख्यमंत्री। 'योगी सरकार ने अतीक और मुख्तार के साम्राज्य का किया अंत'। पति राजू पाल की हत्या का जिक्र कर भावुक हुईं पूजा पाल। 'अतीक ने मेरी ही नहीं, हजारों युवाओं की जिंदगी बर्बाद की'। अतीक अहमद पर युवाओं को नशे का आदी बनाने का आरोप। नकली नोटों के कारोबार में अतीक की भूमिका का दावा। 'सपा सरकार में देश की सुरक्षा से हुआ खिलवाड़'। पूजा पाल का आरोप- माफियाओं को मिला राजनीतिक संरक्षण।

मां शारदा देवी मंदिर, राहुल नगर भोपाल में आयोजित आरती एवं भजन संध्या

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) भोपाल । राहुल नगर, भोपाल में मां शारदा मंदिर एवं संत शिरोमणि श्री सेन जी महाराज मंदिर में अशोक सेन प्रदेश अध्यक्ष, सेन समाज विकास संगठन भोपाल एवं नागेश्वर प्रसाद सेन, संस्कृति प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष के अथक प्रयास से स्थापित मंदिर प्रांगड़ में आदिशक्ति मां शारदा की आरती, भजन एवं भगत कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस शुभ समागम एवं भजन संध्या में किशन सूर्यवंशी, अध्यक्ष- नगर पालिक निगम भोपाल, नागेश्वर प्रसाद सेन (पंडा बाबा) प्रदेश अध्यक्ष संस्कृति प्रकोष्ठ, रंजीत कुमार सेन, प्रदेश मीडिया प्रभारी सह संयुक्त सचिव, डॉ. राजेश सेन, राजबहोर सेन प्रदेश उपाध्यक्ष, श्रीमति सुमन सेन, संतोष सेन (मंदिर समिति अध्यक्ष), जगदीश सेन, वाल्मीक सेन, सुजीत सेन, लकी सेन और सैकड़ों श्रद्धालुजन तथा छोटी कन्याएं एवं भक्तगण बड़े हर्षोल्लास के साथ सम्मिलित हुए रहे।

केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) वैधता अधिनियम 2025 को वापस लेने हेतु प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन प्रेषित किया गया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। आल इंडिया स्टेट पेंशनर्स फेडरेशन , नईदिल्ली के आवाहन पर उत्तर प्रदेशीय सेवा निवृत्त प्राथमिक शिक्षक कल्याण परिषद रायबरेली के जिलाध्यक्ष विक्रमाजीत सिंह महामंत्री गणेश बक्श सिंह कोषाध्यक्ष बालकृष्ण चौधरी संयुक्त पेंशनर्स कल्याण समिति के जिला संयोजक अनूप कुमार मिश्र, जिला सह संयोजक पवनेन्द्र श्रीवास्तव, जिला सह संयोजक प्रचार राजेश कुमार पाण्डेय, संरक्षक गिरीश चन्द्र मिश्र के नेतृत्व में सैकड़ो की संख्या में उपस्थित सेवानिवृत्तो द्वारा जिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री भारत सरकार को केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) वैधता अधिनियम 2025 को वापस लेने का ज्ञापन सौंपा गया। उपस्थित सैकड़ो की संख्या में पेंशनर्स विकास भवन में एकत्र होकर हाथों में काली पट्टी बांधकर जुलूस की संख्या में जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे और अपना विरोध प्रकट करते हुए प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी के प्रतिनिधि सीओ चकबंदी सदर अशोक कुमार पाण्डेय को सौंपा। शिक्षकों तथा कर्मचारियों को जिलाध्यक्ष विक्रमजीत सिंह,महामंत्री गणेशबकश सिंह, कोषाध्यक्ष बालकृष्ण चौधरी, पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन के जिला संयोजक अनूप कुमार मिश्रा,सह संयोजक पवन कुमार श्रीवास्तव ने संबोधित किया।

परामर्शदाता के रिक्त पद के लिए 16 अप्रैल तक करें आवेदन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय रायबरेली भूपेन्द्र राय ने बताया है कि मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद के परिप्रेक्ष्य में जनपद न्यायालय रायबरेली में रिक्त परिवार न्यायालय में उत्तर प्रदेश, कुटुम्ब न्यायालय नियमावली 1995 के नियम 26 (1) के प्राविधान के अंतर्गत परामर्शदाता के तीन रिक्त पद पर नियुक्ति हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है, पद हेतु आवेदक समाजशास्त्र या मनोविज्ञान या दोनों विषय के साथ स्नातक की उपाधि प्राप्त होना चाहिये। उपरिवर्णित स्नातक योग्यता के साथ सामाजिक कार्य में मास्टर डिग्री धारक व पारिवारिक वादों में परामर्श के, दो वर्ष का अनुभव प्राप्त आवेदकगण को वरीयता दी जायेगी। विज्ञापन की तिथि पर परामर्शदाता की आयु न्यूनतम 35 वर्ष व अधिकतम 65 वर्ष के मध्य होनी चाहिए। आवेदक जनपद रायबरेली का स्थानीय निवासी होना चाहिये। परामर्शदाता का कार्यकाल प्रारम्भ में तीन वर्ष का होगा किन्तु माननीय उच्च न्यायालय की संस्तुति के आधार पर तीन वर्ष के लिए उनके नाम पर पुर्नविचार किया जा सकता है। परामर्शदाता के पद पर नियुक्ति शासकीय सेवा में नियुक्ति नहीं मानी जायेगी और वे न्यायालय से संविदा के आधार पर सम्बद्ध रहेंगे। नियुक्त परामर्शदाता को शासनादेश के अनुसार नियत रूपये 1,000/- प्रति कार्य दिवस अथवा रुपये 24,000/- प्रतिमाह जो भी कम हो, का मानदेय देय होगा। आवेदक अपना आवेदन पत्र निर्धारित प्रारूप पर पूर्ण रूप से भरकर वांछित संलग्न अभिलेख के साथ न्यायालय प्रधान न्यायाधीश, कुटुम्ब न्यायालय, रायबरेली के कार्यालय में 16 अप्रैल 2026 तक कार्यालय समय 05:00 बजे तक अवश्य प्रस्तुत करें। इसके उपरांत प्राप्त आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जायेगा।

जनगणना-2027 के सफल एवं सुव्यवस्थित क्रियान्वयन के सम्बन्ध में बैठक सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर के निर्देशानुसार अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) अमृता सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में भारत की जनगणना-2027 के सफल एवं सुव्यवस्थित क्रियान्वयन के संबंध में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनगणना कार्य निदेशालय, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के संयुक्त लखनऊ मंडल के जनगणना प्रभारी अधिकारी, डिप्टी डायरेक्टर गौरव कबीर पाण्डेय द्वारा प्रतिभाग किया गया। उन्होंने भारत की जनगणना-2027 से संबंधित विभिन्न तकनीकी पहलुओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की तथा जनगणना कार्य के प्रभावी संचालन हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) द्वारा सभी संबंधित अधिकारियों को जनगणना कार्य को समयबद्ध, पारदर्शी एवं त्रुटिरहित ढंग से संपादित करने हेतु आवश्यक निर्देश प्रदान किए गए। उन्होंने सभी अधिकारियों को आपसी समन्वय स्थापित करते हुए शासन की मंशा के अनुरूप कार्यों का निष्पादन सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया। बैठक में जनगणना-2027 के सफल आयोजन हेतु आवश्यक तैयारियों, संसाधनों की उपलब्धता तथा प्रशिक्षण कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष जोर दिया गया। बैठक में अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ, जनगणना-2027 के जिला स्तरीय नोडल अधिकारी सचिन यादव, समस्त उपजिलाधिकारी, तहसीलदार एवं नगर निकायों के अधिशासी अधिकारीगण सहित पूर्व से गठित जिला स्तरीय समन्वय समिति के नामित सदस्य उपस्थित रहे।

आईएमएस-डीआईए ने लॉन्च किया 'रनवे-टू-ब्रांड' डिप्लोमा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। भारत में फैशन शिक्षा को नई परिभाषा देने की दिशा में आईएमएस डिजाइन एंड इनोवेशन एकेडमी (आईएमएस-डीआईए) ने मेडुसा फैशन हाउस के साथ मिलकर देश का पहला 'रनवे-टू-ब्रांड' इंटेंसिव डिप्लोमा लॉन्च करने की घोषणा की है। तीन माह का यह उद्योग-एकीकृत कार्यक्रम डिजाइनरों को वैश्विक फैशन उद्यमियों के रूप में तैयार करने के उद्देश्य से बनाया गया है। पारंपरिक डिजाइन पाठ्यक्रमों से अलग यह प्रोग्राम एक संपूर्ण 'एक्जीक्यूशन इकोसिस्टम' के रूप में कार्य करेगा, जिसमें प्रतिभागी अपने फैशन ब्रांड की अवधारणा से लेकर निर्माण और लॉन्च तक की पूरी प्रक्रिया सीखेंगे। कार्यक्रम का समापन अंतरराष्ट्रीय मंच, जैसे लंदन फैशन वीक, पर सिग्नेचर आउटफिट के प्रदर्शन के साथ होगा। आईएमएस नोएडा के वाइस प्रसिडेंट चिराग गुप्ता ने कहा कि यह पहल केवल शिक्षण तक सीमित नहीं है, बल्कि डिजाइनरों को वैश्विक स्तर पर स्थापित करने का एक वास्तविक मंच प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य भारत से अंतरराष्ट्रीय स्तर के फैशन ब्रांड तैयार करना है। 12 सप्ताह के इस डिप्लोमा के चार प्रमुख स्तंभों टेक्निकल कंस्ट्रक्शन, रनवे डेवलपमेंट, ब्रांड फाउंडेशन और कमर्शियलाइजेशन पर आधारित है। इसके तहत प्रतिभागियों को एडवांस पैटर्न मेकिंग, ड्रेपिंग, फिनिशिंग, ब्रांड पोजिशनिंग, प्राइसिंग और मार्केट रणनीतियों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागी एक सिग्नेचर रनवे आउटफिट, तकनीकी गारमेंट फाइल, ब्रांड पहचान, बिजनेस रणनीति और डिजिटल लुकबुक तैयार करेंगे। चयनित प्रतिभागियों को अंतरराष्ट्रीय रनवे पर अपने कार्य को प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा, जिससे उन्हें वैश्विक मीडिया एक्सपोजर और उद्योग से जुड़ने का अवसर प्राप्त होगा। मेडुसा फैशन हाउस की फाउंडर सोनल जिंदल ने कहा कि यह सहयोग भारतीय डिजाइनरों को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रतिभागियों को प्रोफेशनल फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी, अंतरराष्ट्रीय पीआर, मीडिया एक्सपोजर और डिजिटल प्रमोशन का भी लाभ मिलेगा। यह पहल डिजाइन, निष्पादन और व्यवसायीकरण को एक मंच पर लाकर भारत में फैशन शिक्षा के नए मानक स्थापित करेगी। यह परिणाम-उन्मुख डिप्लोमा रचनात्मक प्रतिभा और व्यावसायिक सफलता के बीच की दूरी को कम करने पर केंद्रित है और मात्र 90 दिनों में स्केच से वैश्विक मंच तक पहुंचने का एक संरचित मार्ग प्रदान करता है। आईएमएस-डीआईए के डीन प्रोफेसर (डॉ.) एम.के.वी. नायर ने कहा कि इस कार्यक्रम की विशेषता इसका निष्पादन-आधारित दृष्टिकोण है, जिसके तहत प्रतिभागी केवल डिजाइन नहीं, बल्कि एक पूर्ण ब्रांड और वैश्विक अवसरों के साथ आगे बढ़ेंगे। 32 प्रतिभागियों के सीमित बैच के साथ यह कार्यक्रम व्यक्तिगत मार्गदर्शन और गहन व्यावहारिक प्रशिक्षण पर केंद्रित रहेगा। इस पहल को आईएमएस-डीआईए के बैचलर ऑफ डिजाइन प्रोग्राम में भी शामिल किया जाएगा, जहां चौथे वर्ष के छात्र 'डीआईए कलेक्शन' के तहत लंदन फैशन वीक में अपने सिग्नेचर गारमेंट्स प्रस्तुत करेंगे।

नेकी का डिब्बा फाउंडेशन एवं बोर्न टू विन के संयुक्त कैरियर काउंसलिंग सत्र का सफल आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। नेकी का डिब्बा फाउंडेशन (नेकी की पाठशाला पहल) एव Born to Win Learning Service के संयुक्त तत्वावधान में समृद्धि ग्रैंड एवेन्यू क्लब में 10वीं बोर्ड परीक्षा उत्तीर्ण छात्रों के लिए एक प्रभावी करियर काउंसलिंग एवं मोटिवेशनल सत्र का आयोजन किया गया। इस सत्र का मुख्य उद्देश्य छात्रों को साइंस, कॉमर्स या ह्यूमैनिटीज जैसे स्ट्रीम्स का सही चयन करने में मार्गदर्शन प्रदान करना था, जो सफलता की पहली सीढ़ी साबित होता है। मुख्य वक्ता का संबोधन- पूर्व भारतीय नौसेना अधिकारी, मोटिवेशनल स्पीकर एवं "देह दं ग्ह के र्थ्द श्री नरेंद्र पाल सिंह ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा, '10वीं के बाद साइंस, कॉमर्स या ह्यूमैनिटीज का चयन केवल विषयों का चयन नहीं, बल्कि भविष्य की मजबूत नींव है।' उन्होंने आत्म-विश्लेषण, निर्णय क्षमता एवं नेतृत्व कौशल विकसित करने के व्यावहारिक उपाय साझा किए, जिनसे हजारों छात्रों को लाभ हुआ है। विशेषज्ञ मार्गदर्शन एवं सहयोग-टूरिश एकेडमी के डायरेक्टर एवं मोटिवेशनल स्पीकर श्री श्याम एम. पटेल ने विभिन्न स्ट्रीम्स में उपलब्ध करियर विकल्पों का विस्तृत विश्लेषण प्रस्तुत किया तथा छात्रों को रुचि एवं क्षमता के अनुरूप लक्ष्य निर्धारित करने की सलाह दी। नेकी का डिब्बा फाउंडेशन के संस्थापक एवं निदेशक गिरीश चंद्र शुक्ला, संस्थापक सदस्य उर्वशी मसंद एवं कमल किशोर का इसकी सफलता में महत्वपूर्ण योगदान रहा। श्री शुक्ला ने बताया कि 'नेकी की पाठशाला' के तहत झुग्गी निवासियों के 74 बच्चों सहित वंचित छात्रों का भविष्य संवारा जा रहा है, तथा Born to Win के सहयोग से सरकारी/निजी स्कूलों एवं सोसाइटियों में निरंतर ऐसे शिविर आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम की झलकियां-स्व-विश्लेषणः छात्रों ने रुचि एवं क्षमताओं की पहचान के व्यावहारिक तरीके सीखे। भविष्य की संभावनाएंः-विभिन्न विषयों में उभरते करियर विकल्पों पर चर्चा। प्रश्नोत्तर सत्रः विशेषज्ञों ने छात्रों एवं अभिभावकों की शंकाओं का समाधान किया। अभिभावकों ने इस पहल की सराहना की तथा इसे छात्रों के उज्ज्वल भविष्य के लिए महत्वपूर्ण बताया। सभी अतिथियों एवं वक्ताओं का आभार व्यक्त किया गया।

गलगोटिया विश्वविद्यालय में यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिटिश कोलंबिया के प्रोफेसर का व्याख्यान

उच्च शिक्षा के भविष्य पर वैश्विक संवाद

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। ग्रेटर नोएडा गलगोटिया विश्वविद्यालय ने एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक सत्र का आयोजन किया, जिसमें यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिटिश कोलंबिया (यूबीसी) के प्रोफेसर ने मुख्य वक्तव्य दिया। अपने संबोधन में उन्होंने पिछले तीन वर्षों में उच्च शिक्षा में जेनरेटिव एआई की परिवर्तनकारी यात्रा पर प्रकाश डाला। इस सत्र में तेजी से बदलते शैक्षणिक परिदृश्य में शिक्षण, सीखने और संस्थागत बदलाव के उभरते रुझानों पर चर्चा की गई। अपने वक्तव्य में प्रोफेसर ने बताया कि एआई क्षमताओं में हो रही प्रगति किस प्रकार शिक्षण पद्धतियों और मूल्यांकन प्रक्रियाओं को प्रभावित कर रही है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि नई तकनीकों का प्रभावी उपयोग तभी संभव है जब शिक्षण विधियों में भी समानांतर बदलाव किया जाए। साथ ही, उन्होंने विश्वविद्यालयों को तकनीक-प्रधान युग में अपनी भूमिका को फिर से तय करने तथा फैकल्टी विकास और क्षमता निर्माण में निवेश करने की आवश्यकता पर बल दिया, ताकि इन तकनीकों का जिम्मेदार और प्रभावी उपयोग सुनिश्चित किया जा सके। कार्यक्रम का एक प्रमुख आकर्षण प्रोफेसर का विद्यार्थियों के साथ संवाद रहा, जिसमें उन्होंने शिक्षा में उभरती तकनीकों के जिम्मेदार और प्रभावी उपयोग पर सार्थक चर्चा की। इस दौरान छात्रों ने भी नैतिक पहलुओं, व्यावहारिक उपयोग और बदलते सीखने के तरीके पर अपने विचार साझा किए। इस अवसर पर चयनित छात्र टीमों ने अपने एआई-आधारित प्रोजेक्ट्स का लाइव प्रदर्शन भी किया। इन प्रस्तुतियों में उन्नत तकनीकी समाधानों के माध्यम से वास्तविक जीवन की समस्याओं के समाधान प्रस्तुत किए गए, जो विश्वविद्यालय में रचनात्मकता, शोध-आधारित सीखने और उद्यमशील सोच को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

दुष्कर्म के आरोपी महेश विश्वकर्मा को मिली जमानत,एक-एक लाख रुपये की दो जमानत पेश करने पर रिहाई का आदेश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। महिला के साथ हुए दुष्कर्म के मामले में अपर सत्र न्यायाधीश(सीएडब्लू)/(एफटीसी) सोनभद्र अर्चना रानी की अदालत ने मंगलवार को सुनवाई करते हुए जमानत का पर्याप्त आधार पाते हुए आरोपी महेश विश्वकर्मा की जमानत अर्जी मंजूर कर लिया। साथ ही एक-एक लाख की दो जमानत पेश करने पर रिहाई के आदेश दिया है। कोर्ट ने विवेचना में सहयोग करने, गवाहों को न धमकाने, साक्ष्य के साथ छेड़छाड़ न करने की शर्त पर जमानत मंजूर किया है। अभियोजन पक्ष के मुताबिक शाहगंज थाना क्षेत्र के एक गांव की 29 वर्षीय पीड़ित महिला ने दी तहरीर में आरोप लगाया है कि 16 जनवरी 2026 को शाम 7 बजे वह घर पर अकेली थी। उसका पति बाहर मजदूरी करने गया था। तभी ट्रैक्टर चालक महेश विश्वकर्मा पुत्र चंद्रप्रकाश निवासी कोहरौल, थाना शाहगंज, जिला सोनभद्र खेत की जुताई करके उसके पास आया और जुताई के पैसे मांगने लगा। जब उसने कहा कि उसके पति बाहर गए हैं जब आएंगे तो पैसा भिजवा देंगे। इतना सुनते ही महेश उसके पति को गाली देने लगा और उसका हाथ पकड़ कर घर के अंदर ले गया और कहा कि पैसा नहीं है तो कोई बात नही तुम हो मुझे खुश कर दो और उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया। जाते समय यह धमकी देने लगा कि अगर कहीं शिकायत की तो पति-पत्नी की हत्या कर देंगे। इससे वह डर गई। अपने पति से सारी बात बताई तो वे महेश के घर जाकर उसके पिता से शिकायत करने गए तो उन्हें भी मारपीट कर भगा दिया गया। बाद में महेश फोन करके माफी मांगने लगा। 21 जनवरी 2026 को वह अपने स्कूटी से मायके जा रही थी तो रॉबर्ट्सगंज में महेश मिल गया और कहा कि चलो तुम्हे मेरी बुआ बुलाई है सुलह कराने के लिए। इसपर उसकी बात पर विश्वास करके चली गई तो वहां कोई नहीं था, बल्कि कहा कि यह मेरे दोस्त का घर है। वहां भी चाकू दिखाकर जबरन दुष्कर्म किया और वीडियो भी बना लिया। बार-बार वीडियो वायरल करने की धमकी देकर उसके साथ दुष्कर्म किया है। थाने पर सूचना दी गई लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। एसपी सोनभद्र को रजिस्टर्ड डाक से सूचना दिया, फिर भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। तब मजबूर होकर कोर्ट में अप्लीकेशन दाखिल किया। कोर्ट के आदेश पर शाहगंज पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर मामले की विवेचना शुरू किया। मामले की सुनवाई करते समय कोर्ट ने अभियुक्त के अधिवक्ता कंचन सिन्हा के तर्को को सुनने एवं पत्रावली का अवलोकन करने पर जमानत का पर्याप्त आधार पाते हुए आरोपी महेश विश्वकर्मा की जमानत अर्जी मंजूर कर लिया। साथ ही एक-एक लाख की फो जमानत पेश करने पर रिहाई के आदेश दिया है।

एडवोकेट कंचन सिन्हा

लग्जरी कार में बच्चे देख मचा बच्चा चोर का शोर,युवक को पकड़ कर लोगों ने पीटा,गाड़ी के शीशे तोड़े, पीड़ित बोला- घुमाने लाया था

सोनभद्र।सोनभद्र में बच्चा चोर समझकर लोगों ने लग्जरी कार के मालिक को पीट दिया। कार के शीशे तोड़ दिए। करीब आधे घंटे तक देर हंगामा चला। जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने लोगों को शांत कराया। बच्चों और कार के मालिक को थाने ले जाया गया। जहां बच्चों के माता पिता ने बताया कि वो कार सवार के घर काम करते हैं। उनके कहने पर ही मालिक उनके बच्चों को कार से लेने उनके घर आए थे। लग्जरी कार में गांव बच्चों को देख लोगों ने कार सवार को बच्चा चोर समझकर शोर मचा दिया। पूरा मामला म्योरपुर थाना क्षेत्र के आश्रम मोड़ का है। यह घटना शनिवार देर शाम हुई। फिलहाल मामले में पुलिस ने सभी को थाने से छोड़ दिया। जब बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने एक वाहन से चार बच्चों को पकड़ा और उन्हें पुलिस के हवाले कर दिया। इस दौरान ग्रामीणों ने वाहन में सवार एक युवक की पिटाई भी की और वाहन को क्षतिग्रस्त कर दिया था। सूचना मिलने पर थानाध्यक्ष रविकांत मिश्रा मौके पर पहुंचे और सभी संबंधित लोगों को थाने ले गए। कड़ाई से पूछताछ में युवक ने बताया - वह बच्चों को उनके घर से पाटी गांव घुमाने के लिए ले गया था। पाटीगांव घूमने के बाद वह आश्रम मोड के बाजार से कुछ सामान खरीदने के लिए रुके थे। बच्चों को नई गाड़ी में बैठे देख ग्रामीणों ने उनको बच्चा चोर समझ कर पीटने लगे।पुलिस ने पाटी ग्राम पंचायत के प्रधान ईश्वर प्रसाद और बच्चों के परिजनों को थाने बुलाया। देर रात परिजनों के पहुंचने और बच्चों की पहचान की पुष्टि होने के बाद मामला शांत हुआ। बच्चों की पहचान चंदू बैगा (8 वर्ष), रामकेश बैगा (6 वर्ष), जयबहादुर बैगा (10 वर्ष) और दीनदयाल बैगा (12 वर्ष) के रूप में हुई। उन्हें उनके परिजनों को सौंप दिया गया। बच्चों के साथ मौजूद आजाद सिंह और उपेंद्र विक्रम सिंह, जो तियरी (थाना इलिया, जनपद चंदौली) के निवासी हैं, को उपचार के बाद छोड़ दिया गया। ग्राम प्रधान ईश्वर प्रसाद ने पुष्टि की कि युवक बच्चों को उनके परिजनों की अनुमति से ही घुमाने ले गया था। परिजनों ने बताया कि मलिक नयी गाड़ी लेकर घर पर आए हुए थे। नई कार देखकर बच्चे उसमें बैठकर घूमने के लिए चले गए थे। थानाध्यक्ष रविकांत मिश्रा ने स्पष्ट किया कि यह बच्चा चोरी का कोई मामला नहीं था और यह घटना केवल अफवाह के कारण हुई।

सोनभद्र में यातायात पुलिस का विशेष अभियानः रॉन्ग साइड वाहन चलाने वाले 30 वाहनों का ई-चालान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र, 15 मार्च 2023: पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के दिशा निर्देश के क्रम में बुधवार को जिले के यातायात पुलिस थाना पुलिस द्वारा संयुक्त रूप में जिले के विभिन्न जगहों पर बिना हेलमेट, रॉन्ग साइड और परमिट उल्लंघन करने वाले वाहनों के खिलाफ चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान रॉन्ग साइड चलने वाले 30 वाहनों सहित 130 वाहनों पर ई-चालान की कार्रवाई की गई। यातायात क्षेत्राधिकारी डॉ चारू द्विवेदी ने बताया कि पुलिस अधीक्षक के दिशा निर्देश के क्रम में जिले भर में यातायात पुलिस द्वारा विशेष अभियान चलाकर बिना हेलमेट, रॉन्ग साइड और परमिट उल्लंघन करने वाले वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि लगभग 130 वाहनों का चालान किया गया है, जिसमें रॉन्ग साइड चलने वाले 30 वाहनों का चलन करते हुए कड़ी हिदायत दी गई है। डॉ चारू द्विवेदी ने बताया कि यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने वाहन चालकों से अपील की कि वे यातायात नियमों का पालन करें और सुरक्षित यात्रा करें। इस अभियान में टीएसआई अनपरा उमेश वर्मा, रावटसगंज टीएसआई भारत राय, सुनील कुमार, राजेश, जमील खान आदि लोग मौजूद रहे।

122 युवाओं के लोन आवेदन स्वीकृत,मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान से 250 से अधिक लाभान्वित

सोनभद्र। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के तहत एक ऋण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में सैकड़ों युवाओं ने भाग लिया, जिसका उद्देश्य उन्हें स्वरोजगार के अवसर प्रदान कर आत्मनिर्भर बनाना है। शिविर के दौरान विभिन्न बैंकों के समन्वयकों और विभागीय अधिकारियों ने ऋण आवेदनों का त्वरित निस्तारण किया। विभाग के अनुसार, कुल 122 अभ्यर्थियों के ऋण आवेदन स्वीकृत किए गए हैं। इसके अतिरिक्त, 166 अन्य लाभार्थियों के ऋण वितरण की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। अधिकारियों ने बताया कि इस योजना के तहत कुल 250 से अधिक युवाओं को लाभान्वित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस योजना के तहत विनिर्माण और सेवा क्षेत्र के लिए 5 लाख रुपये तक का ब्याज मुक्त और गारंटी-मुक्त ऋण प्रदान किया जाता है। लाभार्थियों को कुल परियोजना लागत पर 10 प्रतिशत मार्जिन मनी अनुदान का भी लाभ मिलता है। योजना के लिए 21 से 40 वर्ष की आयु के ऐसे युवा पात्र हैं, जिन्होंने कम से कम कक्षा 8 उत्तीर्ण की हो और वे उत्तर प्रदेश के मूल निवासी हों। अधिकारियों के अनुसार, इस अभियान का मुख्य उद्देश्य शिक्षित बेरोजगार युवाओं को स्वरोजगार के अवसर प्रदान करना है, ताकि वे अपना उद्योग स्थापित कर सकें। इच्छुक युवा योजना का लाभ उठाने के लिए आधिकारिक पोर्टल स्से.ल्ज्.दन्.ग्ह पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। विभाग का लक्ष्य है कि सोनभद्र के अधिक से अधिक युवाओं को इस योजना से जोड़कर उद्यमी बनाया जाए।

नेमना विद्यालय में वार्षिक उत्सव, विदाई समारोह,बाल वाटिका नवारंभ और प्रतिभा सम्मान कार्यक्रम संपन्न

सोनभद्र। म्योरपुर ब्लॉक स्थित कंपोजिट विद्यालय नेमना में बुधवार को वार्षिक उत्सव, बाल वाटिका नवारंभ, प्रतिभा सम्मान और विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बच्चों ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि पूर्व जिला पंचायत सदस्य केदारनाथ यादव, विशिष्ट अतिथि ग्राम प्रधान प्रतिनिधि राधेश्याम, विद्यालय प्रबंध समिति अध्यक्ष लाले राम और प्रधानाध्यापिका सुमन वर्मा सहित अन्य अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन और पूजन-अर्चन के साथ हुआ। विद्यालय के प्री-प्राइमरी बाल वाटिका नवारंभ कार्यक्रम के तहत 4 से 6 वर्ष तक के बच्चों को तिलक लगाकर और पुष्प वर्षा कर सम्मानित किया गया। इस दौरान बाल वाटिका के बच्चों ने रेत पर मनमोहक कलाकृतियां भी बनाईं।वार्षिक उत्सव समारोह की शुरुआत स्वागत गीत से हुई। प्रधानाध्यापक सुमन वर्मा, शिक्षक मनोज कुमार दुबे और ज्वाला प्रसाद ने सभी अतिथियों का पुष्पगुच्छ, माल्यार्पण और बैच अलंकरण कर स्वागत किया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की कड़ी में छात्र-छात्राओं ने नेपाली डांस, 'राधिका गोरी गोरी', 'बन ठन चली' और 'केसरिया देश' जैसे गीतों पर शानदार प्रस्तुतियां दीं, जिसने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कक्षा 8 के छात्रों की विदाई के उपलक्ष्य में प्रस्तुत विदाई गीत

अवसर पर बच्चों ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि पूर्व जिला पंचायत सदस्य केदारनाथ यादव, विशिष्ट अतिथि ग्राम प्रधान प्रतिनिधि राधेश्याम, विद्यालय प्रबंध समिति अध्यक्ष लाले राम और प्रधानाध्यापिका सुमन वर्मा सहित अन्य अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन और पूजन-अर्चन के साथ हुआ। विद्यालय के प्री-प्राइमरी बाल वाटिका नवारंभ कार्यक्रम के तहत 4 से 6 वर्ष तक के बच्चों को तिलक लगाकर और पुष्प वर्षा कर सम्मानित किया गया। इस दौरान बाल वाटिका के बच्चों ने रेत पर मनमोहक कलाकृतियां भी बनाईं।वार्षिक उत्सव समारोह की शुरुआत स्वागत गीत से हुई। प्रधानाध्यापक सुमन वर्मा, शिक्षक मनोज कुमार दुबे और ज्वाला प्रसाद ने सभी अतिथियों का पुष्पगुच्छ, माल्यार्पण और बैच अलंकरण कर स्वागत किया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की कड़ी में छात्र-छात्राओं ने नेपाली डांस, 'राधिका गोरी गोरी', 'बन ठन चली' और 'केसरिया देश' जैसे गीतों पर शानदार प्रस्तुतियां दीं, जिसने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कक्षा 8 के छात्रों की विदाई के उपलक्ष्य में प्रस्तुत विदाई गीत से कुछ समय के लिए माहौल भावुक हो गया। इस अवसर पर कक्षा 1 से 8 तक के प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को पुरस्कृत किया गया।

साथ ही, श्रेष्ठ विद्यालय प्रबंध समिति सदस्यों और अभिभावकों को भी सम्मानित किया गया।छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि केदारनाथ यादव ने कहा कि अब परिषदीय विद्यालयों में भी बेहतर शिक्षण का माहौल बन रहा है। उन्होंने कहा कि पहले वार्षिक उत्सव, विदाई समारोह और प्रवेश उत्सव जैसे कार्यक्रम केवल निजी स्कूलों में देखे जाते थे, लेकिन नेमना विद्यालय में इस तरह का कार्यक्रम बहुत सराहनीय है।

उन्होंने अभिभावकों से अपने बच्चों को प्रतिदिन विद्यालय भेजकर उनकी शिक्षा पर विशेष ध्यान देने का आग्रह किया।

इस अवसर पर नोडल शिक्षिका उर्मिला, भाजपा नेता ईश्वरी प्रसाद, उत्तरप्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष पवन शुक्लेश, ब्लॉक उपाध्यक्ष नारायण दास गुप्ता, रावेन्द्र दुबे, समाजसेवी रामनरेश, दरोगा लाल सहित शिक्षक दिग्विजय सिंह, सुदेश्वरी देवी और अभिभावकगण उपस्थित रहे।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
कौशलं बलम्
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

श्री महन्तू
अग्निशमन सुरक्षा अधिकारी नैनी, प्रयागराज
नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480
Enjoy Publicity

इस साल होगा आईपीएल का सबसे बड़ा सीजन,84 मैच खेले जाएंगे, हर टीम 16 मुकाबले खेलेगी, 28 मार्च को शुरुआत

नयी दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग का 19वां सीजन 28 मार्च से शुरू हो रहा है। फाइनल 31 मई को खेला जाएगा। यह आईपीएल का अब तक का सबसे बड़ा सीजन होगा, जिसमें 10 टीमों के बीच 84 मैच खेले जाएंगे। ओपनिंग मैच डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच होगा। यह मुकाबला बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाएगा। अप्रैल-मई के दौरान पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। इसमें आईपीएल मैच होस्ट करने वाले राज्य बंगाल, तमिलनाडु और असम भी शामिल हैं। इसी वजह से 28 मार्च से 12 अप्रैल तक होने वाले 20 मैचों का ही शेड्यूल जारी किया गया।लीग में कुल 10 टीमें हिस्सा ले रही हैं। इनमें चेन्नई सुपर किंग्स, मुंबई इंडियंस, कोलकाता नाइट राइडर्स, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, दिल्ली कैपिटल्स, राजस्थान रॉयल्स, पंजाब किंग्स, सनराइजर्स हैदराबाद, लखनऊ सुपर जायंट्स और गुजरात टाइटंस शामिल हैं।अभी पूरा शेड्यूल जारी नहीं हुआ है, लेकिन बीसीसीआई ने इतनी जानकारी दे दी है कि फाइनल 31 मई को बेंगलुरु में खेला जाएगा। इस

हिसाब से 26 मई को पहला क्वालिफायर, 27 मई को एलिमिनेटर और 29 मई को दूसरा क्वालिफायर खेला जा सकता है। आईपीएल 2026 के मुकाबले इस बार भारत के 13 अलग-अलग शहरों में खेले जाएंगे। 10 टीमों में 7 ने 1-1 होमग्राउंड चुना, वहीं बेंगलुरु, पंजाब और राजस्थान के पास 2-2 होमग्राउंड हैं। रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह स्टेडियम में 13 साल बाद कोई आईपीएल मैच खेला जाएगा। आरसीबी ने इसे अपना सेकेंड होम वेन्यू बनाया है। रायपुर स्टेडियम में आखिरी बार 2013 में दिल्ली कैपिटल्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच मैच हुआ था।इस बार क्या नया? मैच वाले दिन प्रैक्टिस नहीं: किसी भी टीम को मैच के दिन नेट प्रैक्टिस करने की परमिशन नहीं होगी। कोई टीम दूसरी टीम के नेट्स का इस्तेमाल नहीं कर सकती। अगर एक टीम जल्दी प्रैक्टिस खत्म कर दे, तो भी दूसरी टीम उस पिच पर नहीं खेल पाएगी। यात्रा और सुरक्षा नियमः खिलाड़ियों को टीम बस से ही सफर करना होगा। परिवार के सदस्यों को केवल हॉस्पिटैलिटी जोन में ही रहने की परमिशन होगी। खिलाड़ी और टीम अनुशासनः सभी स्टाफ मेंबर्स को हर समय अपना आईडी कार्ड साथ रखना होगा। डगआउट और मैदान में बच्चों या बिना परमिशन वाले फैमिली मेंबर्स को लाने की मनाही रहेगी। ब्रॉडकास्ट और ड्रेस कोडः ऑरेंज और पर्पल कैप रखने वाले खिलाड़ियों को मैच के दौरान कैप पहनना ही होगा। अगर फील्डिंग के दौरान कैप उतारने का मन करे तो भी पारी के शुरुआती 2 ओवर कैप पहननी पड़ेगी। पोस्ट-मैच प्रेजेंटेशन के दौरान स्लीवलेस जर्सी नहीं पहन सकेंगे। पिछली चैंपियन कौन? आईपीएल 2026 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु डिफेंडिंग चैंपियन है। आरसीबी ने पिछले सीजन शानदार प्रदर्शन करते हुए अपना पहला आईपीएल खिताब जीता था। टीम ने 2025 के फाइनल में पंजाब किंग्स को 6 रन से हराया था।आईपीएल 2026 के ऑक्शन में ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन सबसे महंगे खिलाड़ी रहे, जिन्हें कोलकाता नाइट राइडर्स ने रु25.20 करोड़ में खरीदा। वहीं भारतीय अनकैप्ड खिलाड़ियों में प्रशांत वीर और कार्तिक शर्मा को चेन्नई सुपर किंग्स ने 14.20-14.20 करोड़ में अपनी टीम में शामिल किया।

आरसीबी सबसे महंगी आईपीएल टीम रु16.71 हजार करोड़ में आदित्य बिड़ला, टाइम्स ग्रुप समेत 4 कंपनियों ने खरीदा
राजस्थान रॉयल्स 15 हजार करोड़ में बिकी

नयी दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) 1.78 बिलियन डॉलर यानी करीब 16,706 करोड़ रुपए की रिकॉर्ड बोली के साथ बिक गई है। इसके साथ ही बेंगलुरु आईपीएल की सबसे महंगी टीम बन गई। आरसीबी टूर्नामेंट की डिफेंडिंग चैंपियन भी है। क्रिकबज करोड़ की भारी बोली लगाकर खरीदा था।रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की नई ओनरशिप के साथ आदित्य बिड़ला ग्रुप के डायरेक्टर आर्यमान बिड़ला को टीम का चेयरमैन भी बनाया गया। 28 साल के आर्यमान बिड़ला का क्रिकेट और बिजनेस दोनों में अनुभव रहा प्रीमियर लीग टाइटल हैं, वहीं मेंस टीम 2025 में ही पहली बार चैंपियन बनी थी।आरसीबी को 2008 में विजय माल्या ने 111.6 मिलियन डॉलर में खरीदा था। तब यह कीमत भारतीय मुद्रा में 446 करोड़ रुपए थी, लेकिन मार्च 2026 के कन्वर्जन के हिसाब से यह कीमत बनता है।

अब 2026 में यही फ्रेंचाइजी करीब 1.63 बिलियन डॉलर (लगभग रु15,289 करोड़) में बिकी है। यानी, मौजूदा वैल्यू की तुलना 2008 की आज की कीमत (रु628 करोड़) से करें, तो राजस्थान रॉयल्स की कीमत में करीब 24 गुना का उछाल आया है।राजस्थान रॉयल्स की फाइनल बिडिंग रेस में चार बड़े ग्रुप शामिल थे। इसमें आदित्य बिरला ग्रुप, टाइम्स ऑफ इंडिया ग्रुप और कैपरी ग्लोबल भी दावेदारी में थे। हालांकि, इन सभी को पीछे छोड़ते हुए काल सोमानी के नेतृत्व वाले कंसोर्टियम ने आखिरकार यह बोली जीत ली।काल सोमानी टेक्नोलॉजी और निवेश जगत का बड़ा नाम हैं। उन्होंने एड-टेक, डेटा प्राइवेसी, एआई गवर्नेंस और स्पोर्ट्स टेक जैसे क्षेत्रों में कई वैश्विक कंपनियां खड़ी की हैं। इस डील के साथ उनका खेल जगत में निवेश और मजबूत हो गया है।काल सोमानी पहले से ही राजस्थान रॉयल्स में इन्वेस्टर थे। 2021 में उन्होंने फ्रेंचाइजी में एंट्री ली थी। सोमानी ने तब कहा था- हमें इस निवेश में बहुत बड़ी संभावना दिख रही है और हम आईपीएल के भविष्य को लेकर उत्साहित हैं। इससे पहले आरआर के 65फीसदी शेयर ब्रिटिश-इंडियन मनोज बदाले के पास थे।

2008 में चैंपियन बनी थी राजस्थान -शेन वॉर्न की कप्तानी में राजस्थान रॉयल्स ने आईपीएल का पहला सीजन 2008 में जीता था। लेकिन उसके बाद टीम का प्रदर्शन नीचे जाने लगा। उसके बाद से टीम सिर्फ एक बार 2022 में फाइनल में पहुंची है। तब गुजरात टाइटंस के खिलाफ फाइनल मुकाबले में उसे हार मिली। दो साल के लिए बैन हुई थी आरआर - राजस्थान रॉयल्स को 2015 में सामने आए स्पॉट-फिक्सिंग मामले की वजह से 2 साल के लिए बैन कर दिया गया था। जांच के बाद लोढ़ा समिति ने टीम के सह-मालिक राज कुंद्रा को सट्टेबाजी का दोषी पाया था। इसके कारण राजस्थान रॉयल्स और चेन्नई सुपर किंग्स दोनों को 2016 और 2017 के आईपीएल सीजन से बाहर कर दिया गया। बाद में 2018 में राजस्थान रॉयल्स ने फिर से आईपीएल में वापसी की।

की रिपोर्ट अनुसार, आरसीबी की मेंस और विमेंस टीम को आदित्य बिड़ला ग्रुप , टाइम्स ऑफ इंडिया ग्रुप , बोल्ट वेंचर्स और ब्लैकस्टोन्स परिचुअल प्राइवेट इक्विटी स्ट्रैटिजी ने मिलकर खरीदा। डील को पूरा करने के लिए बीसीसीआई, कॉम्पिटिशन कमीशन ऑफ इंडिया और अन्य रेगुलेटरी संस्थाओं की मंजूरी जरूरी होगी। दोनों ही टीमें मौजूदा समय में आईपीएल और डब्लूपीएल की चैंपियन हैं। इससे पहले क्रिकबज ने ही मंगलवार को बताया था कि राजस्थान रॉयल्स 1.63 बिलियन डॉलर यानी करीब 15,289 करोड़ रुपए की बोली के साथ बिक गई है। राजस्थान अब दूसरी सबसे महंगी आईपीएल टीम बन गई। न्यूज एजेंसी पीटीआई ने सोर्स के हवाले से बताया कि भारतीय मूल के अमेरिकी बिजनेसमैन काल सोमानी और उनके कॉन्सोर्टियम ने राजस्थान के लिए सबसे बड़ी बोली लगाई, जिसे मंजूर कर लिया गया। आरसीबी सबसे महंगी टीम बनी। वहीं राजस्थान ने लखनऊ सुपर जायंट्स का रिकॉर्ड तोड़ा था। लखनऊ को संजीव गोयनका के आरपीएसजी ग्रुप ने 2021 में 7,090 है। वे पूर्व फर्स्ट क्लास क्रिकेटर हैं और मध्य प्रदेश के लिए रणजी ट्रॉफी खेल चुके हैं। उन्होंने 16 पारियों में 414 रन बनाए, जिनमें एक शतक शामिल है। 2018 के आईपीएल ऑक्शन में राजस्थान रॉयल्स ने उन्हें 30 लाख रुपए में खरीदा था, लेकिन उन्हें ज्यादा मौके नहीं मिले। इसके बाद 2019 में उन्होंने क्रिकेट से ब्रेक ले लिया।

क्रिकेट से दूर होने के बाद उन्होंने बिजनेस पर फोकस किया। आर्यमान ने आदित्य बिड़ला ग्रुप के हॉस्पिटैलिटी और वेंचर कैपिटल की शुरुआत की। 2023 में वे ग्रुप की टॉप डिसीजन मेकिंग बॉडी में शामिल हुए। इसके अलावा वे हिंदाल्को इंडस्ट्रीज, ग्रासिम इंडस्ट्रीज और आदित्य बिड़ला फैशन रिटेल जैसी कंपनियों के बोर्ड में भी हैं। मेंस और विमेंस दोनों टीमों को खरीदा-4 कंपनियों के कंसोर्टियम ने पिछली मालिक यूनाइटेड स्पिरिट्स लिमिटेड के साथ एग्रीमेंट साइन किया और आरसीबी के 100फीसदी शेयर्स खरीद लिए।

इस एग्रीमेंट में आरसीबी की मेंस और विमेंस दोनों टीमें शामिल हैं। विमेंस टीम के नाम 2 विमेंस 1050 करोड़ रुपए होती है। यानी आरसीबी की कीमत 19 साल में करीब 16 गुना तक बढ़ गई। आरसीबी को 2016 में यूएसएल कंपनी ने खरीद लिया था। अब 10 साल बाद टीम को नया मालिक मिल गया। आरसीबी का पहला मैच एसआरएच से-आईपीएल 2026 के शुरुआती शेड्यूल में आरसीबी कुल चार मुकाबले खेलेगी। टीम अपना पहला मैच 28 मार्च को बेंगलुरु में एसआरएच के खिलाफ खेलेगी, जो सीजन का ओपनिंग मुकाबला भी है। इसके बाद 5 अप्रैल को आरसीबी फिर बेंगलुरु में ही सीएसके से भिड़ेगी। तीसरा मैच 10 अप्रैल को गुवाहाटी में आरआर के खिलाफ होगा। वहीं चौथा मुकाबला 12 अप्रैल को मुंबई में एमआई के खिलाफ खेला जाएगा।

24 गुना ज्यादा में बिकी राजस्थान- 2008 में जब राजस्थान रॉयल्स को खरीदा गया था, तब इसकी कीमत सिर्फ 67 मिलियन डॉलर थी, जो उस समय लगभग रु260-270 करोड़ के आसपास बैठती थी। अगर उसी 67 मिलियन डॉलर को आज की वैल्यू में देखा जाए, तो यह करीब रु628 करोड़

'गंजी हो रही हो', यह बोलने पर फूट-फूटकर रोई थी,पति कहीं साथ लेकर नहीं जाते, विग पहनकर नकली रूप देखना अच्छा नहीं लगता

नयी दिल्ली। 'एक बार बेटी के स्कूल में पेरेंट्स मीटिंग थी। वहां उसकी एक दोस्त ने कह दिया कि आंटी आप तो गंजी हो। मेरी बेटी एक्सटेंशन करवाना चाहती हूं, लेकिन बहुत महंगा है। 50 हजार से 1 लाख तक खर्च आता है। यही नहीं, उसे हर महीने मेंटेन और

रोने लगी, उसे लगा कि मेरी मां अच्छी नहीं हैं। उस दिन घर लौटकर मैं भी खूब रोई थी। पति अब कहीं साथ लेकर नहीं जाते। बाल थे तो सिर खुला रखकर चलती थी, अब ढंककर चलना पड़ता है। घर से बाहर जाने में शर्मिंदगी महसूस होती है। मन में यही चलता रहता है कि क्या फिर से पहले जैसी दिख पाऊंगी।' ब्लैकबोर्ड में इस बार कहानी उन महिलाओं की जो बाल झड़ने की वजह से डिप्रेशन में चली गईं और ट्रीटमेंट के बाद भी बाल वापस नहीं आए। 37 साल की कमलेश दिल्ली में रहती हैं। वो कहती हैं कि जिंदगी आगे बढ़ रही है, लेकिन हर रोज खुद से लड़ती हूं। बाल झड़ने के कारण बहुत ही तनाव में रहने लगी हूं। सिर की त्वचा दिखने लगी है, जिसे देखकर बहुत गंदा महसूस होता है। लोग कहते हैं, तुम्हारे बाल झड़ रहे हैं, तुम गंजी हो रही हो, ये सुनकर अंदर से टूट जाती हूं। पहले जब मैं कम बालों वाली लड़कियों को देखती, तो सोचती थी कि लोग इनके बारे में क्या सोचते होंगे। इनके लिए सजना-संवरना क्या रह गया होगा। अब वही सवाल मेरे सामने खड़े हो गए हैं। कितना भी तैयार हो लूं, कितने भी अच्छे कपड़े पहन लूं, कुछ भी अच्छा नहीं लगता। हर नुस्खा, हर इलाज आजमा चुकी हूं। नीम, करेला, आंवला खाया, दही, मेथी, शिकाकाई, रीठा लगाया, लेकिन कुछ नहीं हुआ। आज भी अगर कोई नुस्खा बताता है तो करती हूं। पति को अब मेरे साथ पार्टी वगैरह में जाना अच्छा नहीं लगता। वो कहते हैं–तुम कहीं जाने लायक नहीं रह गई हो। लोग तंज कसते हैं कि आपकी बीवी के तो बाल गिरते जा रहे हैं।बालों में उंगलियां फेरती हूं, तो ये टूटकर हाथ में आ जाते हैं। आईने में देखती हूं तो बालों के बिना सुंदरता अधूरी लगती है। एक बार मोहल्ले में पूजा थी। बहुत सी औरतें बैठी थीं। उनमें से एक ने सबके सामने मुझसे कहा कि तुम तो गंजी हो रही हो। मैं अपसेट हो गई और पूजा छोड़कर घर वापस चली आई। कभी मेरे बाल बहुत घने थे, लेकिन अब हालात ये हैं कि मेरे सिर की त्वचा दिखने लगी है। बालों के झड़ने के कारण मैं डिप्रेशन में रहने लगी हूं। अब दिन-रात मन में यही चलता है क्या मैं फिर से पहले जैसी दिख पाऊंगी। शुरू में ध्यान नहीं दिया, अब बहुत देर हो चुकी है। हेयर रीफिल भी करवाना पड़ता है। मेरे पति बीमार पड़ गए, जिससे उनकी नौकरी कई महीने पहले चली गई। अब घर का सारा खर्च मैं ही उठा रही हूं। ऐसे में बालों के लिए भारी खर्च कैसे करूं। कई बार हसबैंड से हेयर एक्सटेंशन कराने की बात की, लेकिन उनका चेहरा उतर जाता है, फिर रुक जाती हूं। विग भी आजमाया, लेकिन साफ पता चल जाता है। विग पहनकर जब आईने

में देखती हूं तो नकली रूप देखकर तकलीफ होती है। मैंने योग किया, जॉगिंग भी किया, लेकिन कोई फर्क नहीं पड़ा। दिल्ली में पानी भी साफ नहीं आता। शायद ये भी एक वजह है, लेकिन बाल झड़ने की सबसे बड़ी वजह हार्मोनल इम्बैलेंस है। ससुराल वालों की टेंशन, बालों के झड़ने से बच्चों का चिंतित होना, इन सब से घिरी रहती हूं। दरअसल, लड़की होने के नाते बालों के बिना जीना आसान नहीं होता। मैं जॉब करती हूं। वहां काम की वजह से तनाव होता है। स्ट्रेस के कारण भी यह समस्या बढ़ जाती है। कमलेश की तरह 16 साल की माही भी बाल झड़ने से परेशान हैं। वो नोएडा में रहती हैं। कहती हैं- कुछ महीने पहले मेरे बाल बहुत टूट गए थे। इतने कि शीशे में खुद को देखने से कतराने लगी थी। कभी नहीं सोचा था कि बालों का गिरना मुझे डिप्रेशन में धकेल देगा, लेकिन ऐसा ही हुआ। मैं डिप्रेशन में चली गई। मेरे शरीर में विटामिंस की कमी हो गई थी। मैं हर वक्त चिड़चिड़ी रहने लगी थी। पढ़ाई में मन नहीं लगता था। खाना खाने का भी मन नहीं करता था।एक बार मैं एक फंक्शन में गई थी। वहां खुद के बारे में सोचकर घबराहट होने लगी थी। जब किसी लड़की के बाल झड़ते हैं, तो केवल उसका हेयरस्टाइल नहीं बिगड़ता, पूरी पर्सनैलिटी और कॉन्फिडेंस ही बिगड़ जाता है। नोएडा का पानी बहुत खराब है। यहां कई लड़कियों को बाल झड़ने की समस्या है। एक बार ऑनलाइन एक ऑयल मंगाया, लेकिन उसे लगाने पर तो बाल और ज्यादा झड़ने लगे थे, फिर उसे मैंने फेंक दिया। मेरे साथ मेरे पेरेंट्स भी चिंतित होने लगे। मेरा रात में सोना मुश्किल होने लगा। नींद ही नहीं आती थी। एक दिन बाल धोकर जैसे ही कंघी चलाई, बालों का एक पूरा गुच्छा ही हाथ में आ गया। मैं फटी आंखों से देखती रह गई। कुछ पल तो मेरी सांस रुक गई। मैंने खुद को कमरे में बंद कर लिया। उसी दिन ट्रीटमेंट लेने की ठान ली। मेरे बड़े भैया मेरी फीलिंग समझते हैं। वो मेरा ट्रीटमेंट कराने हॉस्पिटल ले गए। अब धीरे-धीरे फर्क दिख रहा है और साथ ही उम्मीद भी जगी है कि मैं फिर से पहले जैसी हो जाऊंगी।माही की मां कहती हैं कि मेरी बेटी के बाल पहले बहुत घने और खूबसूरत थे, लेकिन अब इसके सिर को देखती हूं तो कांप जाती हूं। अब इसका ट्रीटमेंट करवा रही हूं। 25 साल की वर्षा भी नोएडा में रहती हैं। वह भी बाल झड़ने से परेशान हैं। वो कहती हैं कि बाल झड़ना सिर्फ मेडिकल प्रॉब्लम नहीं, एक इमोशनल लड़ाई भी है, जो हर रोज खुद से लड़नी पड़ती है। एक बार अपनी दोस्त की शादी के लिए अच्छे से तैयार हुई। वहां पहुंचने पर कुछ लोगों ने कहा कि तुम तो गंजी हो रही हो। ये सुनकर चेहरे की मुस्कान चली गई और अंदर डर समा गया। मेरे गांव की एक आंटी ने एक बार कहा- बाल तो तुम्हारे हैं नहीं, शादी कैसे होगी? उस दिन मैं पूरी रात रोई थी। ऑफिस जाना अब बोझ लगने लगा है। सुबह जब सो कर उठती हूं तो बिस्तर के सिरहाने टूटे पड़े बालों को गिनती हूं। आखिर एक औरत के लिए उसके बाल गहना होते हैं, जब गहना ही न रहा तो सुंदरता कैसी? मेरा आत्मविश्वास जैसे गुम हो गया है। अब एक डर्मेटोलॉजिस्ट से ट्रीटमेंट करवा रही हूं।इंस्टाग्राम पर निहार सचदेवा ने अपनी शादी का एक वीडियो पोस्ट किया है। उनके सिर पर बाल नहीं है। पोस्ट पर लोगों ने भद्दे कमेंट्स किए हैं। उन्हें गंजी, टकली कहा है। एक यूजर ने लिखा है- 'क्या किसी ने कभी आपको टकली कहा?' इसी तरह से और भी कमेंट्स किए गए हैं, जो कि उनका मजाक उड़ाने वाले हैं। एक दूसरे यूजर ने कमेंट किया है- 'इस शिट को देखने की जरूरत क्या है'। आखिर उन्होंने खुद को बिना बालों के स्वीकार कर लिया है। उनके पति ने भी उन्हें स्वीकार कर लिया है, लेकिन समाज आज भी उन्हें टकली कहता है। लोग उनकी तस्वीरों पर भद्दे-भद्दे कमेंट्स करते हैं।कॉस्मेटिक हेयर एक्सपर्ट और प्लास्टिक सर्जन डॉ. समीक्षा त्यागी के मुताबिक युवा लड़के-लड़कियों में

सेहत बनाने के लिए दौड़ने की अति भी है नुकसानदायक

हम सभी जानते हैं कि देश में हर आयु-वर्ग के लोगों में जैसे-जैसे मोटापा बढ़ रहा है, वैसे ही दौड़ने की आदत भी बढ़ रही है। लेकिन हम यह भी जानते हैं कि विभाग के सहायक प्रोफेसर रैसमस ओएस्टरगार्ड नील्सन द्वारा किया गया था और हाल ही ब्रिटिश जर्नल ऑफ स्पोर्ट्स मेडिसिन में प्रकाशित हुआ। इस अध्ययन ने किसी नई सतह पर बहुत अधिक दौड़ना या नए जूतों से बहुत दूरी तक दौड़ना। शोधकर्ताओं ने दौड़ में चोटों से बचने के लिए कुछ नए नियम सुझाए हैं। तो दौड़ना

किसी भी अन्य गतिविधि की तुलना में दौड़ने में चोट लगने का जोखिम ज्यादा है। मैं यहां खराब सड़कों या फुटपाथों के कारण टखने में मोच जैसी चोट की बात नहीं कर रहा हूं, बल्कि जरूरत से अधिक दौड़ने के कारण होने वाली चोटों (ओवरयूज इंजरी) की बात कर रहा हूं। किसी भी नियमित धावक से उसके घुटनों के बारे में पूछें। परंपरागत तौर पर वे सभी कहेंगे कि हर एक कदम पर उनके शरीर के वजन से तीन गुना ज्यादा भूमि प्रतिक्रिया-बल लगता है। इससे घुटनों, पैरों और पैर के निचले हिस्सों पर बार-बार चोटें लगती हैं। लेकिन अपने तरीके के एक सबसे विशाल अध्ययन ने इस परंपरागत सोच को बदल दिया है, जिसमें 18 महीने तक औसतन 45 वर्ष आयु के 5200 से अधिक धावकों को शामिल किया गया था। उनका कहना है कि ये छोटी-मोटी चोटें या दर्द समय के साथ नहीं बढ़तीं, बल्कि सामान्यतः गलत तरीके से की गई महज एक कसरत या दौड़ के बाद शुरू होती हैं। और अक्सर ऐप्स और स्मार्ट स्पोर्ट्स वॉच की भ्रामक सलाह से ये और बदतर हो जाती हैं। यह अध्ययन डेनमार्क के आरहुस विश्वविद्यालय में जन-स्वास्थ्य धावकों के चोटिल होने के तरीके और कारणों को लेकर एक बेहतर समझ प्रदान की। सर्वे में पाया गया कि अधिकतर धावकों को चोट तब लगी, जब उन्होंने अपनी सबसे लंबी रही दौड़ की दूरी को तीस दिन के भीतर ही दूसरी बार बढ़ा दिया। 18 महीने की शोध-अवधि में चोटिल हुए 35 फीसदी प्रतिभागियों की करीबी निगरानी करने वाले सर्वे में कहा गया है कि आकस्मिक तौर पर दूरी जितनी बढ़ाई जाती है, उतना ही धावकों के चोटिल होने की संभावना बढ़ती है। उदाहरण के लिए, अगर धावकों ने दौड़ की दूरी 5 किमी प्रतिदिन से बढ़ाकर 10 किमी कर दी, तो चोट का खतरा 128फीसदी बढ़ गया। जिन धावकों ने दूरी में 30फीसदी की वृद्धि की या 5.5 किमी से 6.5 किमी कर दी तो उनमें चोट लगने की जोखिम 64फीसदी बढ़ गई थी। एक और आदत है, जो चोट के जोखिम को बढ़ाती है, वह है दौड़ने के तरीके में अचानक बदलाव। मसलन, गति में अचानक बढ़ोतरी, कैसे शुरू करें? पहली सलाह है कि सावधानी रखें। नए धावकों को प्रति सप्ताह 6 किलोमीटर से अधिक नहीं दौड़ना चाहिए। वॉक और दौड़ के कॉम्बिनेशन में भी दूरी इससे अधिक ना रखें। फिर

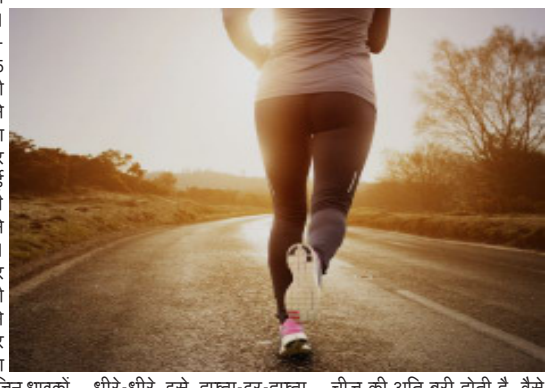

धीरे-धीरे इसे हफ्ता-दर-हफ्ता बढ़ाएं।

यदि आप मध्य आयुवर्ग में हैं तो आमतौर पर एक दौड़ में महज 3फीसदी ही वृद्धि की सलाह दी जाती है, 5फीसदी भी नहीं।

जूतों को कब बदलें? इस बारे में 1985 में अमेरिकन जर्नल ऑफ स्पोर्ट्स मेडिसिन में प्रकाशित एक अध्ययन में थंबरूल तय किया गया था। इसमें शोधकर्ताओं ने दबाव और दूरी से जूतों पर पड़ने वाले असर को मापने के लिए मशीनों और दो इंसानों का उपयोग किया। अध्ययन में सिफारिश की गई कि 750 किमी के बाद नए जूते खरीदने चाहिए। हालांकि, जूतों का टिकाऊपन हमेशा इस पर निर्भर करता है कि दौड़ने की स्टाइल क्या है और दौड़ शुरू करते वक्त वजन कितना है। पेशेवर दौड़ की शुरुआत करने वालों को सलाह दी जाती है कि वे दो जोड़ी जूते खरीदें और बदल-बदलकर पहनें।

ताकि पसीना सूख पाए और जूते के मिड-सोल फोम को डी-कम्प्रेस होने का समय मिले। नया अध्ययन बताता है कि जब आप नए जूते खरीदते हैं या बदलते हैं तो पहले दो सत्रों में चोट का जोखिम अधिक होता है। जब भी आप नए जूते खरीदें तो शरीर को एडजस्ट करने और आराम व असुविधा के प्रति प्रति?क्रिया देने का समय दें।

फंडा यह है कि जैसे हर चीज की अति बुरी होती है, वैसे ही फिट रहने और एक बार में ही बहुत अधिक वजन कम करने के लालच में अत्यधिक दौड़ना भी नुकसानदायक है। बिना चोट लगाए फिट रहने के लिए कैसे दौड़ना है, इसे समझने के लिए धैर्य की आवश्यकता है। (एन. रघुरामन)

आप किसी आइडिया को अच्छा या बुरा नहीं बता सकते

पिछले सप्ताहांत, प्योर लीफ नामक एक चाय कंपनी ने न्यूयॉर्क वे॰ एक व्यस्त चौराहे पर न्यूयॉर्कवासियों को मुफ्त आइस्ड टी दी। इसे एक व्यस्त चौराहे के बीच रखा गया, जहां लोग वॉक करते हैं और आसपास की नर्म हरी घास में आराम करते हैं।उन्होंने वहां कुछ बड़े छाते लगाए और उनके नीचे सोफा लगा दिए। इस प्रकार गर्मी में कुछ मिनट बैठने वे॰ लिए छायादार जगह बन गई। वहीं उन्होंने अपनी वेंडिंग मशीन लगा दी, जो मुफ्त आइस्ड टी पेश कर रही थी। उस क्षेत्र में टहल रहे लोग पहले मुफ्त चाय लेने के लिए बटन दबाने की कोशिश करते। लेकिन इंटरेक्टिव मशीन मना कर देती। मशीन बार-बार कहती कि 'अपना फोन मशीन के बाईं ओर लगे चार्जिंग पैड पर रखें।' लोग बेमन से फोन चार्ज होने के लिए उस पैड पर रख देते। फिर मशीन कहती, 'टी ब्रेक शुरू करने के लिए यहां दबाएं।' विस्मयकारी तरीके से जैसे ही लोग उन शब्दों को दबाते, चार्जिंग पैड का लोहे का दरवाजा तुरंत लॉक हो जाता। फोन भी इसमें अंदर बंद हो जाता। लोग जोर लगा कर दरवाजा खोलने की कोशिश करते, लेकिन असफल रहते। वो चारों ओर देखते कि कुछ लोग चाय की बोतल से चुस्कियां लगाते हुए उनकी ओर मुस्करा रहे हैं। और उसी वक्त मशीन आइस्ड टी की एक बोतल बाहर निकाल देती। लोग

बिना इच्छा के बोतल लेते और इस चिंता के साथ सोफे पर बैठ जाते कि उनका फोन कब वापस मिलेगा? जैसे ही एक मिनट बीतता, नौ मिनट पहले अपना फोन चा?जिंग पैड पर रखने वाला कोई दूसरा व्यक्ति मशीन के सामने खड़ा होता और दसवें मिनट पर मशीन खुल जाती। उसका फोन वापस दे देती। व्यक्ति कहता 'वाह, क्या टी ब्रेक था'। आइस्ड टी पीने वाले 78फीसदी लोगों ने सप्ताह के अंतिम दिन फोन से दस मिनट का ब्रेक लेने के बाद बेहतर महसूस किया। और ब्रांड ने इस बात को समझाया कि गैजेट्स से दस मिनट का ब्रेक भी आपको तरोताजा कर सकता है। यह न्यूयॉर्क में हाल ही किया गया एक मार्केटिंग कैम्पेन था, जिसमें वेंडिंग मशीनों का उपयोग करके लोगों को 'वायर्ड' (तकनीकी की) दुनिया से छोटा-सा ब्रेक लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया। यह कैम्पेन के संदेश से मेल खाता है कि आराम करने और रिफ्रेश होने के लिए समय निकालना फायदेमंद है। अंततः इस ब्रांड प्रमोशन में इस बात पर जोर दिया गया कि छोटे-से ब्रेक का भी तंदुरुस्ती पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। मुझे यह उपाय बेहद कारगर लगा। इसे मैंने अपने कुछ दोस्तों से साझा किया, जो हैदराबाद में ऑफलाइन रीडिंग क्लब चला रहे हैं, ताकि डिजिटल एडिक्ट बच्चों को 'डूम स्क्रॉलिंग' से बचाया जा सके। इसे 'डूम सर्फिंग' भी कहते हैं और यह ऑनलाइन बहुत अधिक समय बिताने से संबंधित है। इस प्रक्रिया में न्यूज फीड और सोशल मीडिया पर लगातार स्क्रॉल किया जाता है। मेरे दोस्त पहले पढ़ने की आदत को प्रोत्साहित करना चाहते थे। और वे कुछ लोगों को ऑनलाइन पुस्तकें पढ़ाने में सफल भी रहे। लेकिन पढ़ने के बजाय वो बातचीत करने लग जाते थे। इसलिए फिर वे ऑफलाइन मोड पर आ गए। पिछले सितंबर से वे सभी सदस्य हर रविवार की सुबह एक पार्क में एकत्रित होते हैं। चिड़ियों की चहचहाहट के बीच व्यक्तिगत अध्ययन सत्र उन्हें नई जानकारियों और विचार-प्रक्रिया के साथ अगले सप्ताह के लिए तरोताजा कर देता है। ऐसे क्लब लोगों को कम से कम पढ़ने की आदत तो बनाए हुए है और उनकी स्क्रीन देखने की आदत कम कर रहे हैं। ध्यान रखें कि हममें से अधिकतर किसी पुस्तक को केवल सरसरी नजर से देखकर दराज में रख देते हैं। हम उसकी विषयवस्तु को भी भूल जाते हैं। ऐसे में सभी सदस्यों द्वारा एक पुस्तक पढ़ने और हर रविवार उसके विचारों को साझा करने से क्लब सदस्यों को कम से कम 52 पुस्तकों के शीर्षक और उनकी विषयवस्तु तो याद रहेगी। फंडा यह है कि किसी समस्या के समाधान के लिए आए उपाय को कभी भी अच्छे या बुरे में वर्गीकृत नहीं किया जा सकता। इसे सिर्फ ऐसे बांटा सकता है कि यह लागू करने योग्य है अथवा नहीं है। इसलिए हर साधारण से आइडिया पर भी प्रसन्न हों, उसका स्वागत करें।

एग्जाम फेल हुआ है, हार्ट नहीं... जब तक है जान, होंगे इम्तेहान

मेरी डॉगी माया कुछ दिनों से बीमार थी। खाने से मुंह फेर रही थी। कभी खा भी लेती तो एक घंटे बाद उल्टी। जब दो-तीन दिन वो एक कोने में बेजान-सी पड़ी रही तो मैंने सोचा, डॉक्टर को दिखाना चाहिए। गाड़ी में बिठाकर मैं उसे अपने घर के पास वाले जानवरों के अस्पताल में ले गई। आपको जानकर हैरानी होगी, मुम्बई के महालक्ष्मी में स्थित स्मॉल एनिमल हॉस्पिटल कोई मनुष्यों के 5 स्टार हॉस्पिटल से कम नहीं। वैसे ये नगर पालिका की जमीन है मगर भव्य बिल्डिंग बनाई है टाटा ट्रस्ट ने। मैनेजमेंट भी उन्हीं का है। हर चीज का स्टैंडर्ड ऊंचा। खैर हमारी माया देवी को इस बात से कोई लेना-देना नहीं। जैसे ही हम कंपाउंड में घुसे, वो भांप गई, ये 'वो' जगह है। अब तो भाई, वो गाड़ी से उतरने को तैयार ही नहीं। तीन स्टाफ आए, मगर बहला-फुसलाकर भी हम उसे बाहर नहीं निकाल पाए। आखिर हार कर मैं वापस घर आ गई। माया के इस व्यवहार के पीछे वजह क्या थी? दस दिन पहले हम उसे इसी अस्पताल में

लाए थे, सालाना वैक्सीनेशन के लिए। अब उसके अंदर डर बैठ गया था कि यहां पर इंजेक्शन लगता है। ना बाबा ना, मैं अंदर जाने वाली नहीं। कोई जबर्दस्ती करेगा तो मैं उसे काट लूंगी। भगवान ने हर प्राणी की प्रोग्रामिंग जब की, उसमें एक फीचर डाल दिया। अगर दिमाग मान ले कि फलाना डेंजर जोन है, तो अंदर से आवाज उठती है- भागो! जंगल में इस आवाज का फायदा है, क्योंकि शायद आपकी अंतर्प्रेरणा सही कह रही है। सौ मीटर दूर शेर खड़ा है, आपकी जान खतरे में है। अब हम जंगल में नहीं रहते, हर पेड़ के पीछे खतरा नहीं। लेकिन प्रोग्रामिंग वही है। माया को इंजेक्शन का डर है, यानी कि दर्द से। वैसे जब भी ब्लड टेस्ट होता है, मैं भी आंखें मूंद लेती हूं। सुई का डर मेरे अंदर कब, कैसे और कहां पैदा हुआ, उसके पीछे एक कहानी है। बचपन में हम एक सरकारी डिस्पेंसरी में जाते थे। वहां एक नर्स थीं, सिस्टर जॉर्ज। ब्लड टेस्ट लेने का काम सिस्टर जॉर्ज का था। उन दिनों सुई मोटी होती थी, और उनकी अंगुलियां भी। बंबइया हिन्दी में सिस्टर जॉर्ज का फेवरेट डायलॉग था- 'ऐ, डरने का नहीं...' फिर मेरी पतली-सी बांह उनके ताकतवर हाथों की पकड़ में, और सुई निशाने की ओर। ब्रह्मोस मिसाइल जितनी एक्यूरेसी नहीं थी सिस्टर जॉर्ज की सुई में। एक बार में सही नस नहीं मिलती थी, तो दोबारा सुई चुभातीं। सिस्टर के सांवले चेहरे पर सफेद दांतों वाली मुस्कान और ट्यूब में भरता हुआ लाल खून... यह सीन कुछ ऐसा था कि मुझे वहीं चक्कर आने लगता, एक बार तो मैं बेहोश तक हो गई। तो बस, सिस्टर जॉर्ज की बदौलत मेरे अंदर एक डर-सा बैठ गया। साल बीत गए। एक दिन मजबूरी में जब ब्लड टेस्ट किया तो मुट्ठी-आंखें बंद। मैंने टेक्नीशियन को पूछा, कितना टाइम लगेगा? वो हंस के बोला, मैडम हो गया। सुई कब अंदर गई, कब निकली, पता ही नहीं चला। दर्द का पहाड़ सिर्फ मेरे मन में था, और ऐसे कितने ही काल्पनिक पहाड़ हम अपने अंदर बसा लेते हैं।किसी को मैथ्स से डर लगता है, किसी को ऊंचाई से। वो कब, कहां, कैसे आपके अंदर आया, थोड़ा चिंतन कीजिए। हो सकता है किसी टीचर ने डांटा हो, गलत जवाब देने पर। आपके नन्हे-से दिल पर चोट ऐसी पहुंची कि फिर हाथ उठाने की हिम्मत नहीं हुई। बीस साल बीत गए लेकिन आज भी मीटिंग में आप अपनी राय देने से कतराते हैं। क्योंकि मन में आशंका है- मैंने कुछ गलत कह दिया तो? डर को जड़ से निकाल फेंकना मुश्किल है पर नामुमकिन नहीं। सबसे पहले आप एक कागज पर लिख डालिए- ऐसी कौन सी चीज है, जिससे मुझे डर लगता है। 99 प्रतिशत चांस है कि आप लिखेंगे- फियर ऑफ फेल्योर। चलो, एक क्षण के लिए हम मान लें, आपने कोई एग्जाम दिया और फेल हो गए। घर पर लोग नाराज होंगे, दोस्त चर्चा करेंगे। लेकिन एग्जाम फेल हुआ है, हार्ट फेल नहीं। जब तक हैं जान, होंगे इम्तेहान। डर के आगे जीत है, यही दुनिया की रीत है। ललकारो उसे, सामने लाओ। हिम्मत करो, डर भगाओ। (ये लेखिका के अपने विचार हैं)

आशाओं का अम्बर और मोह के धागे

कहीं एक सोनम ने पति की हत्या करवा दी। कहीं इस भर गर्मी में लोग नहाते हुए डूब गए- सेल्फी लेते हुए, कोई मस्ती करते हुए या एक-दूसरे

को बचाते हुए।पीछे छोड़ गए परिजन के लिए दुःखों का पहाड़ या त्रास। यह दुःख देखकर कभी मन पूछता है कि- ये धरती अति सुंदर किताब है। चांद-सूरज की जिल्द वाली।पर हे! ईश्वर, ये दुःख, भूख, सहम और गुलामी, ये सब तेरी इबारत हैं या प्रूफ की गलतियां? दूसरी तरफ मई और जून की गर्मी में जब कहीं-कहीं भारी बारिश हुई तो सड़कों, गलियों की हकीकत सामने आ गई।और ये हर बार होता है।

हर बारिश में। वर्षों से। कोई सुध नहीं लेता। कोई कुछ करता-धरता नहीं। लोग कह-कहकर थक गए। उनकी अर्जियों को कीड़े चट कर गए, पर वे कभी किसी मंत्री या अफसर या बाबू के टेबल तक नहीं पहुंच सकीं। अमृता प्रीतम ने ठीक ही कहा है कि हमारे, हमारे-सबके शहर एक लम्बी बहस की तरह हैं।सड़कें बेतुकी दलीलों की तरह। ष्ठऔर गलियां इस तरह, जैसे कोई एक बात को इधर घसीटे। कोई उधर। इस सब के बीच हर मकान किसी मुट्ठी की तरह भिंचा हुआ लगता है। दीवारें किचकिचाती-सी।और नालियां जैसे मुंह से झाग बहता है! साइकलों, स्कूटरों और कारों के पहिए गालियों की तरह गुजरते हैं और घंटियां, हार्न एक-दूसरे पर झपटते हुए भां-भां करते रहते हैं।रात सिर पटकती हुई आती है और चली जाती है।

पर नींद में भी ये बहस खत्म नहीं होती। इसीलिए, हां इसीलिए हमारे, हमारे-सबके शहर एक लम्बी बहस की तरह हो चले हैं।पचास-पचास, सौ-सौ साल हो गए, लेकिन शहरों के हालात जस के तस हैं। कहने को बड़े-बड़े ओवर ब्रिज, पुल-पुलिया बना दिए गए हैं, लेकिन इनके नीचे सब कुछ वैसा ही कचरा फैला पड़ा है, जैसे सुंदर कालीन के नीचे गंदगी होती है।कभी किसी उद्योगपति के कहने पर पुल की दिशा मोड़ दी गई तो कभी किसी नेता की कृपा से बेतुका ढांचा बना दिया गया। किसी पुल पर चढ़ सकते हैं तो उतर नहीं सकते।किसी से उतरना इतना दूभर है कि उस पर कोई चढ़ना ही नहीं चाहता। विकास हर तरफ चीखें मार रहा है और परम्परा, संस्कृति, संस्कार किसी सफेद बिछौने की सलवटों की तरह किसी कोने में झिझके पड़े हैं।सरकारों, राजनेताओं को चुनाव जीतने और उसकी कवायद करने के सिवाय कोई दूसरी फिक्र नहीं है।

कह सकते हैं कि राजनीति घुप अंधेरे की तरह है।उसका हाल वैसा ही है, जैसे कोई रात काली चील की तरह उड़ते हुए सूरज को ढूंढने निकली हो! जिस तरह रात को कभी सूरज नहीं मिल पाता, उसी तरह राजनीति का लोगों की भलाई से कोई संगम नहीं हो पाता।एक मशहूर लेखक ने लिखा है कि राजनीति दरअसल, एक क्लासिक फिल्म की तरह होती है। इस फिल्म का हीरो बहुमुखी प्रतिभा का धनी होता है और समय-समय पर बदलता रहता है।हीरोइन सत्ता की कुर्सी है, जो हमेशा एक जैसी रहती है। बदलती नहीं। विभिन्न क्षेत्रों, इलाकों और मंडलों के सदस्य इसके एक्स्ट्रा कलाकार होते हैं।इस फिल्म के फाइनेंसर, गरीब, मजदूर और खेतिहर लोग होते हैं। ये फाइनेंस करते नहीं, इनसे करवाया जाता है।या कह सकते हैं कि उन्हें ऐसा करने के लिए मजबूर किया जाता है। विभिन्न विधान मंडल इस फिल्म की इनडोर शूटिंग के स्थान हैं.और मीडिया आउटडोर शूटिंग का साधन। यह फिल्म किसी ने देखी नहीं है क्योंकि इस पर जगह-जगह सेंसर बोर्ड के एम्बार्गो लगे होते हैं।जहां तक आम आदमी का सवाल है, उसे तो सहसा पता ही नहीं है कि उसकी जिंदगी जाने किसके लिए मोह की पूनी कातती फिर रही है? जबकि मोह के तार में न तो आशाओं के अम्बर को लपेटा जा सकता है. और न ही उम्मीदों के सूरज को बांधा जा सकता है।

चुनाव और उसकी कवायद वे॰ सिवा कोई फिक्र नहीं.विकास हर तरफ चीखें मार रहा है और परम्परा, संस्कृति, संस्कार किसी सफेद बिछौने की सलवटों की तरह किसी कोने में झिझके पड़े हैं। सरकारों, राजनेताओं को चुनाव जीतने और उसकी कवायद करने के सिवाय कोई दूसरी फिक्र नहीं है।

हमारे शहर की 'एनटीई' जल्द ही हमारे जीने का तरीका बदल देगी

पूरी दुनिया में आमतौर पर सिर्फ दिन के वक्त को ध्यान में रखकर शहरों को डिजायन किया गया है। लेकिन जब इन शहरों को बेहतर कुशलता से चलाने के लिए अधिक पैसे की जरूरत पड़ी तो उन्होंने पाया कि शाम 6 बजे से लेकर सुबह के 6 बजे तक के समय में बड़ी मात्रा में धन छिपा है। इसे लोकप्रिय रूप में 'नाइट टाइम इकोनॉमी' (एनटीई) के नाम से जाना जाता है।हालांकि, कई जगहों पर 24 घंटे का शहर थोड़ा बदनाम है, लेकिन कई शहरों ने समझा है कि एनटीई विकास के क्षेत्रों का वास्तविक चालक हो सकता है। कम से कम उन चुनिंदा स्थानों के लिए, जहां स्थानीय लोग और आगंतुक बार-बार आते जाते हैं। न्यूयॉर्क, लंदन और बर्लिन जैसे कई वैश्विक महानगरों ने इस विचार का अनुसरण किया, लेकिन एम्स्टर्डम इस क्षेत्र का अग्रणी है। मैं अचानक इस बारे में बात क्यों कर रहा हूं? दरअसल हैदराबाद जल्द ही 24 घंटे की अर्थव्यवस्था को अपनाने वाला भारत का पहला शहर बनने जा रहा है। राज्य सरकार समग्र एनटीई नीति को अंतिम रूप दे रही है, जिसका उद्देश्य सूर्यास्त के बाद शहर की पूर्ण आर्थिक क्षमता का उपयोग करना है। सरकार रात की समस्त गतिविधियों की देखभाल के लिए समर्पित हैदराबाद नाइट टाइम इकॉनोमी अथॉरिटी (एनटीईए) स्थापित कर रही है। इसमें अग्रणी होने के लिए एम्स्टर्डम ने क्या किया? ये उन पहले शहरों में से है, जिन्होंने एनटीई का आर्थिक-सांस्कृतिक महत्व समझा। ये कई कारणों से सफल हुआ, जिनमें सक्रिय स्थानीय निकाय, समर्पित 'नाइट मेयर' शामिल हैं, जो स्वतंत्र अधिवक्ता की भांति रातभर की गतिविधियों पर नजर रखता है। नीदरलैंड के किसी भी शहर में, खासकर रात्रिकालीन संस्कृति को सम्मिलित करने वाली पहली योजना के नाते एम्स्टर्डम का 'नाइट विजन' एतिहासिक दस्तावेज है। ये

रात्रिकालीन संस्कृति से शहर के लगाव, इसकी सामाजिक-आर्थिक बेहतरी के लिए इसके जरूरी होने की मान्यता, दोनों को दिखाता है। नाइट मेयर की भूमिका क्या है? ये शहरी निकाय, रात्रिकालीन व्यवसायों, स्थानीय निवासियों व अन्य हितधारकों के बीच सेतु का कार्य करता है। मेयर व उसका कार्यालय सुरक्षा, शोर, परिवहन, जोनिंग (इलाका) जैसे ?मुद्दों का समाधान करते हुए सुनिश्चित करता है कि रात्रिकालीन अर्थव्यवस्था व शहर की जरूरतों के बीच संतुलन रहे। सफल एनटीई को टॉयलेट से लेकर परिवहन तक, हर चीज पर विचार करना होता है। एनटीई को गलत ना समझें: एम्स्टर्डम की इनटीई सिर्फ क्लबर्स के लिए ही नहीं है। साधारण क्लब्स तो इसमें तब तक प्रवेश नहीं कर सकते, जब? तक कि वे अन्तरराष्ट्रीय आगंतुकों को किसी सभ्य स्थान पर आकर्षित करने के लिए कुछ अनोखा प्रदान ना करें। ऐसे कड़े कायदों और नियंत्रण के कारण ही एम्स्टर्डम ने एम्स्टेल नदी के किनारे सांस्कृतिक रूपरेखा तैयार की है और एनटीई को सफल बनाया है। हालांकि रात्रिकालीन गतिविधियां मनोरंजन संबंधी तस्वीर पेश करती हैं, यहां तक कि भारतीयों में भी, लेकिन हैदाराबाद की यह पहल मनोरंजन तक ही सीमित नहीं है। इसमें स्वास्थ्य देखभाल, परिवहन, आईटी सर्विस, खुदरा और पर्यटन जैसे क्षेत्र भी शामिल हैं। नीति तैयार कर रहे जानकार मानते हैं कि यह शहरी अर्थव्यवस्था में एक बड़े बदलाव की तस्वीर दिखाती है।एनटीई के आर्थिक प्रभावः वर्ल्ड सिटीज कल्चर फोरम के अनुसार एम्स्टर्डम में 500 रात्रिकालीन प्रतिष्ठानों ने 5 हजार रोजगार दिए। 15 लाख विजिटर आए, जिन्होंने स्थानीय अर्थव्यवस्था में सालाना 1.25 अरब यूरो का योगदान दिया। लंदन ने 13 लाख रात्रिकालीन रोजगार पैदा किए। वर्तमान में हैदराबाद एनटीई का कारोबार 8500 करोड़ रु. है, जो 2032 तक तीन गुना होकर अनुमानतः 26,011 करोड़ पहुंच सकता है। इससे रोजगार भी बढ़ेंगे। हैदराबाद ने ये शुरू किया है तो इसे मुम्बई, दिल्ली पहुंचने में वक्त नहीं लगेगा। इंदौर, अहमदाबाद जैसे टियर-2 शहर भी हाथ पर हाथ रखकर बैठने वाले नहीं है। फंडा यह है कि हम सभी को इस उभरते हुए विचार में सहभागिता निभानी चाहिए, क्योंकि यह भविष्य में हमारे जीने के तरीके को बदलने जा रहा है।

जहां नैतिक कहानियां होगीं, वहां 'इंटेग्रिटी फी?' की जरूरत नहीं

कई दशक पहले, मैं और मेरा कजिन किसी के पेड़ से ढेर सारे जामुन लेकर घर पहुंचे। हमारे नाना (जो कि तहसीलदार कार्यालय में दूसरे सबसे ताकतवर व्यक्ति थे) दरवाजे पर बैठे थे और उन्होंने पूछा, तुम्हारे हाथों में क्या है? फिर उन्होंने हमसे वो जामुन अपने पास रखवा दिए और अंदर जाकर पहले खाना खाने को कहा। अगले 15 मिनट में हम नहाए क्योंकि पेड़ पर चढ़ने के कारण हमारे कपड़े गंदे हो गए थे, खाना खाया और लौट आए। हम उन अंकल को देखकर चौंक गए, जिनके घर से हम जामुन लाए थे। वे हमारे नाना के साथ बैठकर बातें कर रहे थे। हमें लगा वो हमारे बारे में शिकायत कर रहे हैं, इसलिए हम दोनों में से किसी ने बाहर जाने की हिम्मत नहीं की। यह भांपकर कि हम छिपे हुए हैं, नाना ने हमें बुलाया और हम सिर झुकाए बाहर चले आए। वहां से गुजर रहे एक डाकिए को कहकर नाना ने उन अंकल को बुला लिया था। नाना जानते थे कि जामुन का पेड़ उनके घर में है। हमने नमस्ते किया। अंकल ने भी हमारा अभिवादन स्वीकार किया। वे उठे, हमारे सिर को सहलाया और बिना कुछ कहे बाहर चले गए। हमने राहत की सांस ली। तब नाना ने हमें एक मेहनती, लेकिन गरीब लकड़हारे की कहानी सुनाई। लकड़हारा एक नदी किनारे पेड़ काट रहा था। उसकी कुल्हाड़ी उसके हाथ से छूटकर पानी में गिर गई। वह बहुत परेशान था, क्योंकि वही उसकी आजीविका का एकमात्र

साधन था। उसकी निराशा भरी पुकार सुनकर एक देवी प्रकट हुईं और पूछा कि उसे क्या चाहिए। उसने कोई दौलत मांगने के बजाय बताया कि उसने अपनी कुल्हाड़ी खो दी है। उसकी ईमानदारी देखकर देवी ने मदद की पेशकश की। सबसे पहले उसे एक चमचमाती सोने की कुल्हाड़ी मिली। देवी ने पूछा, क्या यह तुम्हारी है? लकड़हारे ने कुल्हाड़ी की सुंदरता और कीमत के बावजूद जवाब दिया, नहीं। दूसरी बार उसे चांदी की कुल्हाड़ी मिली। देवी ने वही सवाल पूछा। लकड़हारे ने अपनी ईमानदारी पर अडिग रहते हुए फिर से मना कर दिया। देवी बेहद प्रभावित हुईं और आखिरकार लकड़हारे को उसकी असली लोहे की कुल्हाड़ी वापस लौटा दी, जिसे लकड़हारे ने कृतज्ञतापूर्वक स्वीकार कर लिया। लेकिन देवी ने उसे सोने और चांदी की दोनों कुल्हाड़ियां देकर भी पुरस्कृत किया। लकड़हारा न केवल धन-संपत्ति, बल्कि ईमानदारी के गुण से भी समृद्ध होकर घर लौटा। नाना ने उन जामुनों के बारे में हमसे कभी बात नहीं की। लेकिन वो कहानी आज भी हमारे जेहन में ताजा है। आज आप किसी भी बच्चे के पास जाकर कहें, 'मैं तुम्हें एक कहानी सुनाता हूं' और शुरू करें- 'एक था राजा और एक थी रानी' तो वो तुरंत कहेगा, 'दोनों मर गए, खतम कहानी', और भाग जाएगा। लेकिन हमारे जमाने में रोज ही कोई न कोई कहानी सुनाई जाती थी और उसकी शुरुआत हमेशा उसी पहले वाक्य से होती थी। लेकिन दूसरा वाक्य हमेशा ही 'पीछे की बदल गई पूरी कहानी' हुआ करता था। हमने किस दिन कैसा व्यवहार किया है, इसी के आधार पर हमारे बड़े हमें कोई न कोई कहानी सुनाते थे। शनिवार को हम दोनों कजिन्स को यह कहानी याद आई और हम हंस पड़े क्योंकि डोनाल्ड ट्रम्प के अमेरिकी प्रशासन ने शुक्रवार को जनवरी 2026 से प्रभावी होने जा रहा 250 डॉलर (21,450 रुपए) का वीज़ा इंटेग्रिटी शुल्क लगा दिया है। कुछ लोगों का कहना है कि यह शुल्क केवल कुछ शर्तों पर ही वापस किया जा सकता है, जिसमें वीज़ा की शर्तों का पूरा पालन और वीज़ा की समाप्ति के पांच दिनों के भीतर प्रस्थान शामिल है। याद रखें, यह हर आवेदक से उसके अच्छे व्यवहार के लिए सुरक्षा जमा राशि जमा करने के लिए कहने जैसा है। मुझे यह सोचकर डर लग रहा है कि क्या रेलवे और अस्पताल भी कल से रिफंडेबल इंटेग्रिटी शुल्क तो नहीं मांगने लगेंगे? फंडा यह है कि हम अपनी महान नैतिक कहानियों को खत्म न होने दें। दूसरा वाक्य बदलें और अपने बच्चों को उनके जीवन के पहले 13 वर्षों तक हर रोज सोने से पहले नई, कल्पनाशील कहानियां सुनाएं, ताकि एक हाई इंटेग्रिटी वाली नई दुनिया उभरे और सरकारें इंटेग्रिटी फीस लगाने की हिम्मत न करें।

क्वॉड से दूरी बना रहा अमेरिका,जिनपिंग को खुश करने में जुटे ट्रंप, भारत के लिए है बुरी खबर

जो इस जटिल इलाके में शक्ति का संतुलन बनाए रखने में मजबूत पिलर का निर्माण करेंगे। एक मजबूत, आत्मवशिवास से लबरेज

भारत न केवल भारतीय जनता के लिए अच्छा है बल्कि अमेरकिी लोगों के लिए भी अच्छा है।' कोल्बी ने जहां भारत के उदय को अमेरिका के हितों के मुताबिक बताया। वहीं इससे पहले पिछले आए अमेरिका के उप विदेश मंत्री क्रिस्टोफर लंडाउ ने कहा था कि अमेरिका भारत के आर्थिक उदय को उस तरह से सपोर्ट नहीं करेगा जैसे उसने 2000 के दशक में चीन का किया था।माना जा रहा है कि कोल्बी का यह बयान क्रिस्टोफर लंडाउ के विवादित बयान का डैमेज कंट्रोल है। कोल्बी का क्वॉड के बारे में एक शब्द भी नहीं बोलना नई दिल्ली के लिए चिंता का सबब बनेगा। भारत यह उम्मीद लगाए बैठा है कि क्वॉड की इस साल शिखर बैठक होगी जिसमें हिस्सा लेने के लिए डोनाल्ड ट्रंप भारत आ सकते हैं। विश्लेषकों का कहना है कि अक्टूबर 2025 में ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच दक्षिण कोरिया में मुलाकात के बाद दोनों देशों के रिश्तों में तनाव कम होने लगा है। इससे अब क्वॉड के भविष्य पर सवाल उठने लगा है।अब ट्रंप एक बार फिर से शी जिनपिंग से इस महीने के आखिर या अगले महीने में मुलाकात करने वाले हैं। इससे पहले ट्रंप के पहले कार्यकाल में भारत ने क्वॉड को चीन के खिलाफ एक सैन्य गठबंधन बनाने के अमेरिकी प्रयास को खारिज कर दिया था। गलवान हिंसा के बाद भारत और चीन ने अक्टूबर 2024 में करीब साढ़े 4 साल तक चले गतिरोध के बाद आपसी गतिरोध को खत्म कर दिया था। क्वॉड का गठन साल 2007 में हुआ था। जो बाइडन ने इसे काफी बढ़ावा दिया था लेकिन ट्रंप इसे प्राथमिकता नहीं दे रहे हैं। इससे जापान और ताइवान को भी बड़ा झटका लगा है जो चीनी दादागिरी का सामना कर रहे हैं।

ईरान ने होर्मुज में घुस रहे पाकिस्तानी जहाज SELEN को रास्ते से खदेड़ा,शहबाज को बड़ा झटका- नहीं दी मंजूरी

नयी दिल्ली। ईरान ने पाकिस्तान को तगड़ा झटका देते

हुए कराची जा रहे एक जहाज को खदेड़ दिया है। ईरान के रिवॉल्यूशनरी गार्ड (IRGC) ने कहा है कि जहाज बिना मंजूरी के कराची की तरफ बढ़ रहा था जिसे वापस भेज दिया गया है। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) की नौसेना के अधिकारियों ने पुष्टि की है कि उन्होंने होर्मुज जलडमरूमध्य पर कंटेनर जहाज SELEN को वापस लौटा दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक यह जहाज पाकिस्तान के कराची बंदरगाह की तरफ बढ़ रहा था लेकिन मंजूरी नहीं लेने की वजह से इसे वापस भेज दिया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक यह जहाज संयुक्त अरब अमीरात के शारजाह बंदरगाह से रवाना हुआ था और पाकिस्तान के कराची जा रहा था। लेकिन ईरान के रिवोल्यूशनरी गाड्र्स की नौसेना ने इस जहाज को होर्मुज जलडमरूमध्य पार करने से रोक दिया और उसे वापस लौटने पर मजबूर कर दिया। IRGC के कमांडर अलीरेजा तंगसिरी के मुताबिक जहाज के पास जलडमरूमध्य से गुजरने की कानूनी अनुमति नहीं थी और उसने प्रोटोकॉल का पालन नहीं किया था। इस्लामाबाद स्थिति ईरानी दूतावास ने भी सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए इसकी पुष्टि की है।अलीरेजा तंगसिरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि 'कंटेनर जहाज SELEN को IRGC नौसेना ने वापस लौटा दिया है क्योंकि उसने कानूनी प्रोटोकॉल का पालन नहीं किया था और उसके पास होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने की अनुमति नहीं थी। इस जलमार्ग से किसी भी जहाज के गुज़रने के लिए ईरान के समुद्री प्राधिकरण के साथ पूर्ण कॉर्डिनेशन आवश्यक है और यह उपलब्धि ईरान के नेक लोगों के समर्थन के बिना संभव नहीं हो पाती।'पाकिस्तान जो ईरान और अमेरिका के बीच युद्धविराम को लेकर समझौता करने की कोशिश कर रहा है उसके लिए ये एक बहुत बड़ा झटका है। समझा जा सकता है कि जो ईरान, पाकिस्तान के जहाज को लौटा सकता है वो पाकिस्तान के युद्धविराम मध्यस्थता को लेकर कितना गंभीर होगा।Equasis के डेटा के मुताबिक SELEN (IMO: 9208459) एक छोटा जहाज है और साल 2000 में बना फीडर कंटेनर जहाज है। ये जहाज सेंट किट्स और नेविस के झंडे के तहत चलता है और इसका डेडवेट लगभग 6,850 टन है। इसका प्रबंधन दुबई स्थित Exceed Oceanic Trading LLC कंपनी करती है और इसका मालिकाना हर्कमि2 Oceanic Co Inc के पास है।आपको बता दें कि यह घटना ऐसे समय में हुई है जब नई रिपोर्टों से पता चलता है कि ईरान ने होर्मुज से गुजरने की कोशिश कर रहे कुछ कमर्शियल जहाजों पर हर यात्रा के लिए 2 मिलियन डॉलर तक की एड-हॉक ट्रांजिट फीस लगाना शुरू कर दिया है। यानि ईरान ने होर्मुज में टोल लगाना शुरू कर दिया है। ब्लूमबर्ग के मुताबिक ये पेमेंट चुपचाप और अनियमित रूप से किए जा रहे हैं। कुछ जहाज इनका पालन कर रहे हैं जबकि पैसे नहीं देने वाले जहाजों की सुरक्षा की कोई गारंटी नहीं है।

'ईरान पर हमला जारी रखो', ट्रंप पर दबाव बना रहे सऊदी प्रिंस,कहा- जंग रोकना होगी बड़ी गलती

वॉशिंगटन। अमेरिका और ईरान एक तरफ युद्ध को खत्म

करने के लिए बातचीत कर रहे हैं, वहीं राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ऊपर इसे जारी रखने के लिए दबाव बनाया जा रहा है। यह दबाव खाड़ी में अमेरिका के सबसे प्रमुख सहयोगी सऊदी अरब की तरफ से है। न्यूयॉर्क टाइम्स ने अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया है कि सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ईरान के खिलाफ के युद्ध जारी रखने के लिए राष्ट्रपति ट्रंप पर दबाव डाल रहे हैं। एमबीएस के नाम से मशहूर सऊदी क्राउन प्रिंस ने इसे मध्य पूर्व को फिर से गढ़ने का एक ऐतिहासिक अवसर बताया है। बातचीत से परिचित लोगों ने न्यूयॉर्क टाइम्स को बताया कि क्राउन प्रिंस ने ट्रंप को यह संदेश दिया है कि ईरान की कट्टरपंथी सरकार को खत्म करने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। बातचीत की जानकारी रखने वाले लोगों ने बताया कि क्राउन प्रिंस ने ईरान को खाड़ी क्षेत्र के लिए दीर्घकालिक खतरा कहा जिसे केवल वहां की सरकार को हटाकर ही खत्म किया जा सकता है। न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, राष्ट्रपति ट्रंप युद्ध खत्म करने के लिए तैयार हैं, लेकिन एमबीएस ने तर्क दिया है कि ऐसा करना एक गलती होगी। इतना ही नहीं, सऊदी क्राउन प्रिंस ने तो तेहरान को कमजोर करने के लिए ईरान के ऊर्जा ढांचे पर हमले करने का जोर दिया है। अमेरिकी अधिकारियों ने न्यूयॉर्क टाइम्स को बताया कि क्राउन प्रिंस ने तर्क दिया कि अमेरिका को ईरान में अपनी सेना भेजने पर विचार करना चाहिए, ताकि वहां के इंफ्रास्ट्रक्चर पर कब्जा किया जा सके और सरकार को सत्ता से हटा जा सके। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू भी ईरान को दीर्घकालिक खतरा मानते रहे हैं, लेकिन विश्लेषकों का कहना है कि सऊदी अरब की चिंता अलग है। सऊदी अरब एक अस्थिर और नाकाम ईरान अपने लिए एक गंभीर खतरा मानता है। हालांकि, वही विश्लेषक कहते हैं कि इजरायली अधिकारी शायद एक असल ईरान को अपनी जीत मानेंगे, जो अपनी आंतरिक उथल-पुथल में इतना उलझा हो कि वह इजरायल के लिए कोई खतरा न बन सके। सऊदी अरब सरकार- 'हमारी मुख्य चिंता अपने लोगों और अपने नागरिक बुनियादी ढांचे पर होने वाले हमलों से खुद की रक्षा करना है। ईरान ने गंभीर कूटनीतिक समाधानों के बजाय खतरनाक टकराव का रास्ता चुना है। इसमें शामिल हर पक्ष को नुकसान है, लेकिन ईरान को खुद सबसे ज्यादा नुकसान है।' रिपोर्टों के उलट, सऊदी अरब ने सार्वजनिक रूप से युद्ध को आगे बढ़ाने की बात से इनकार किया है। एक आधिकारिक बयान में सऊदी सरकार ने कहा, 'किंगडम ने हमेशा, यहां तक कि इसके शुरू होने से पहले भी, इस संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान का समर्थन किया है।'

अमेरिकी नौसेना की सबसे घातक यूनिट मिडिल ईस्ट रवाना, ईरान को बातचीत में उलझा रहा पाकिस्तान

तेहरान। अमेरिका के हजारों मरीन कमांडो शुक्रवार को मिडिल ईस्ट में पहुंच जाएंगे। अमेरिका के मरीन कमांडों की तैनाती उस वक्त हो रही है जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वो युद्धविराम पर ईरान से बातचीत कर रहे हैं। वॉल स्ट्रीट जर्नल ने बताया है कि 31वीं एक्सपीडिशनरी यूनिट के लगभग 2200 मरीन, जो USS Tripoli पर सवार होकर आ रहे हैं वो शुक्रवार को इस क्षेत्र में पहुंचने वाले हैं। उनके साथ एक एम्फीबियस लैंडिंग डॉक USS New Orleans भी होगा। 11वीं मरीन एक्सपीडिशनरी यूनिट के लगभग 2500 और सदस्य भी यूएसएस बॉक्सर जंगी जहाज के साथ मिडिल ईस्ट पहुंच रहे हैं जिसे 'प्राइड ऑफ द पैसिफ़िक' का उपनाम दिया गया है। सिर्फ इतना ही नहीं टाइम पत्रिका ने बताया है कि अमेरिकी सेना के सीनियर अधिकारी आर्मी की 82वीं एयरबोर्न डिवीजन से एक कॉम्बैट ब्रिगेड की संभावित तैनाती पर भी विचार कर रहे हैं। यह डिवीजन करीब 3,000 सैनिकों वाली एक 'तत्काल प्रतिक्रिया बल' के तौर पर काम करती है जो दुनिया में कहीं भी 18 घंटों के भीतर तैनात होने में सक्षम है। डोनाल्ड ट्रंप ने होर्मुज स्ट्रेट खोलने के लिए ईरान को पांच दिनों का वक्त दिया है और संभवतः शनिवार को पाकिस्तान में युद्धविराम पर बातचीत होने की संभावना है। अमेरिका के मिलिट्री एक्सपट्र्स का कहना है कि ईरान के साथ डोनाल्ड ट्रंप जिस बातचीत

की बात कर रहे हैं उसका कुछ खास मतलब नहीं है। असल में ट्रंप युद्ध के अगले चरण की तैयारियों के लिए वक्त खरीद रहे हैं। टाइम मैग्जीन ने कई सैन्य विशेषज्ञों के हवाले से बताया है कि 'शक बेबुनियाद नहीं है।' माइकल पैट्रिक मुलरॉय, जो 2017 से 2019 तक ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान मध्य-पूर्व के लिए रक्षा के पूर्व उप सहायक सचिव थे उन्होंने टाइम को बताया है कि '11वीं यूनिट को शामिल करने से मुझे लगता है कि कुछ बड़ा होने वाला है।' उन्होंने कहा कि 'मेरे हिसाब से यह इस बात का संकेत है कि कोई इन यूनिट्स के साथ कुछ करने की योजना बना रहा है और उन्हें इन दोनों की जरूरत है।'मरीन एक्सपीडिशनरी यूनिट्स क्या हैं? मिडिल ईस्ट में अमेरिका के 50 हजार सैनिक पहले से ही तैनात हैं लेकिन उनमें से ज्यादातर इन्फैंट्री यूनिट्स नहीं हैं जिन्हें किसी देश पर हमला करने के लिए डिजाइन किया गया हो। मरीन एक्सपीडिशनरी यूनिट्स अलग होती हैं। ये एम्फीबियस असॉल्ट फोर्स होती हैं जो समुद्र से काम करती हैं आगे तैनात रहती हैं और अक्सर किसी भी संघर्ष वाली जगह पर सबसे पहले पहुंचती हैं।इनमें सैकड़ों पैदल सैनिकों वाली जमीनी लड़ाकू टुकड़ियां, हथियारबंद गाड़ियां और तोपें, हेलीकॉप्टर और हमलावर जेट, एक लॉजिस्टिक्स लड़ाकू दस्ता और एक कमांड टीम शामिल होती है। अमेरिका ने 2001 में अफगानिस्तान पर हमले के दौरान एमईयु का इस्तेमाल किया था और 2003 में इराक पर हमले के दौरा भी इसका इस्तेमाल किया गया था। तालिबान के लड़ाकों को काबुल से इसी टीम ने खदेड़ा था। यानि अमेरिका का मकसद तेहरान से ईरान के शासकों को खदेड़ना हो सकता है। ये जल और थल दोनों जगहों पर लड़ने में माहिर होते हैं और इसकी खासियत गुरिल्ला युद्ध लड़ने की होती है। इसीलिए संभावना बन रही है कि तेहरान और ईरान के परमाणु अड्डों पर इन सैनिकों को उतारा जा सकता है। मिडिल ईस्ट इंस्टीट्यूट के सीनियर फेलो जेसन कैंपबेल ने टाइम को बताया है कि ये टुकड़ियां लंबे समय तक कब्जा बनाए रखने के लिए नहीं बल्कि संकट के समय तुरंत कार्रवाई करने के लिए बनाई गई हैं। डोनाल्ड ट्रंप का फोकस फिलहाल होर्मुज स्ट्रेट को खुलवाने को लेकर है। एक्सियोस ने इस मामले से परिचित चार सूत्रों का हवाला देते हुए बताया है कि ट्रंप इस जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के लिए जिस एक रणनीति पर कथित तौर पर विचार कर रहे हैं। उनका मकसद खर्ग द्वीप पर कब्जा करना है। यह द्वीप ईरान के तट से 15 मील दूर स्थित एक रणनीतिक तेल केंद्र है जहां ईरान के 90फीसदी कच्चे तेल के निर्यात की प्रोसेसिंग होती है। कुछ अधिकारियों का मानना है कि इस द्वीप पर कब्जा करने से अमेरिका को ईरान पर दबाव बनाने का एक जरिया मिल जाएगा जिससे वह ईरान को इस जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के लिए मजबूर कर सकेगा। हालांकि अमेरिका ने भारी बमबारी कर खर्ग द्वीप पर स्थित ईरान के सैन्य ठिकानों को तबाह कर दिया है लेकिन ईरान के गुरिल्ला लड़ाके अभी भी वहां मौजूद हैं। इसीलिए अमेरिकी सैनिकों के लिए इसपर कंट्रोल करना आसान नहीं होगा। ईरान लगातार अपने संसाधन खर्ग द्वीप पर भेज सकता है लेकिन अमेरिका के लिए ऐसा करना मुश्किल होगा। अमेरिकी सैनिकों को पानी के रास्ते से आने वाले रॉकेट, ड्रोन और मिसाइलों से लगभग लगातार बमबारी का सामना करना पड़ेगा। खर्ग द्वीप पर हजारों लोगों की आबादी भी है ऐसे में कब्जा करना हालात को और ज्यादा बिगाड़ भी सकता है और शायद के रणनीतिक तौर पर अमेरिका के लिए जोखिम वाला हो सकता है।

आवारा कुत्तों के मामले में कई पहलुओं पर समझ जरूरी है

मुम्बई में कबूतरों को दाना देने पर एफआईआर और दिल्ली में आवारा कुत्तों पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद सार्वजनिक विमर्श में ध्रुवीकरण हो गया है। लेकिन इस फेर में हमें बहस के छह वास्तविक और बड़े बिंदुओं को नजरों से ओझल नहीं होने देना चाहिए। 1. कानून : नसबंदी और रैबीज इंजेक्शन के बाद उसी स्थान पर कुत्तों को छोड़ने के नियम को सुप्रीम कोर्ट के जज ने बेतुका बताया है। कई लोग मनुष्यों की तरह कुत्तों के लिए भी जीवन की सुरक्षा और घूमने-फिरने के संवैधानिक अधिकार को मानते हैं। लेकिन फिर उस तर्क के अनुसार बकरी, भैंस, मुर्गा आदि के जीवन के अधिकार का सम्मान करते हुए देश में तमाम प्रकार की पशु-क्रूरताओं पर प्रतिबंध लग जाना चाहिए। विशेष दर्जा देने के तर्क के साथ कानून के अनुसार जवाबदेही भी सुनिश्चित करनी होगी। कोई इंसान अगर दुर्व्यवहार या हिंसा करे तो उसे जेल भेजा जा सकता है। इसी तरह से हमला करने और काटने वाले कुत्तों को भी आबादी से दूर भेजना न्यायसंगत है। 2. स्वच्छता : राजधानी दिल्ली में सिर्फ 5767 कुत्तों का एमसीडी में रजिस्ट्रेशन कराया गया है। डेंगू और मलेरिया रोकने के लिए भी कूलर के पानी की जांच होती है। इसी तरह सड़क, पार्क और कॉलोनियों में करोड़ों कुत्तों के शौच, पेशाब, जूठन खाने आदि की वजह से बढ़ रही गंदगी और बीमारियों को रोकने के लिए भी नियमों को सख्ती से लागू करने की जरूरत है। कोरोना के वायरस को रोकने के लिए पूरे देश की जनता को क्वारेंटाइन और लॉकडाउन में झोंक दिया गया था। इसी आधार पर हिंसक या खतरनाक कुत्तों को भी आबादी से दूर भेजने की जरूरत है। 3. जज : 4 साल पहले केरल हाईकोर्ट ने ब्रूनो कुत्ते की हत्या के मामले में स्वतः संज्ञान लिया था। इसलिए करोड़ों लोगों की सुरक्षा से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट के

स्वतः संज्ञान में कुछ भी गलत नहीं है। लेकिन चीफ जस्टिस के आदेश के बाद इस मामले की सुनवाई अब तीन जजों की नई बेंच करेगी। पिछले कई फैसलों पर हो रहे विवादों से साफ है कि जजों की व्यक्तिगत अभिरुचि और मीडिया के दबाव के बगैर संविधान और कानून के अनुसार अदालत के फैसले होने चाहिए। आनन-फानन में जज बदलने या फैसलों को पलटने से जजों के साथ सर्वोच्च न्यायालय का मान कमजोर होता है। पटाखे और वाहनों पर प्रतिबंध के पुराने फैसलों पर विवाद से साफ है कि जनहित से जुड़े मामलों में राजधानी दिल्ली या एनसीआर की बजाय पूरे देश में सुप्रीम कोर्ट के फैसले लागू होने चाहिए। 4. रैबीज : पिछले साल भारत में लगभग 6 करोड़ आवारा कुत्तों के काटने के 37 लाख से ज्यादा मामले आए। जबकि सिर्फ दिल्ली-एनसीआर में 11 लाख आवारा कुत्तों ने इस साल अभी तक लगभग 6.62 लाख लोगों को काट लिया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार रैबीज की वजह से साल 2004 में भारत में 20,565 सालाना मौतें हुई थीं, जो कि पूरी दुनिया में रैबीज से होने वाली मृत्युओं का 35 फीसदी है। रैबीज केवल कुत्तों से ही नहीं फैलता, लेकिन इसके 96 फीसदी से ज्यादा मामले कुत्तों के काटने से ही होते हैं। चिंताजनक बात यह है कि एंटी रैबीज वैक्सीन के साथ ही इम्युनोग्लोबुलिन भी दिया जाता है, जो देश के अधिकांश अस्पतालों में उपलब्ध नहीं है। 5. मुआवजा : सर्पदंश के सालाना 58 हजार मामलों की अब बीमारी के तौर पर रिर्पोटिंग जरूरी हो रही है। उसी तर्ज पर कुत्तों के काटने के हर मामले की रिपोर्टिंग भी जरूरी है। एक स्ट्रीट डॉग को लाठी से पीटने के मामले में दिल्ली पुलिस के एएसआई के खिलाफ साढ़े तीन साल बाद मुकदमा दर्ज हुआ था। उसी तर्ज पर कुत्तों के काटने के मामले में मालिकों और अनुचित संरक्षण देने वालों पर मुकदमा होना चाहिए। आक्रामक कुत्तों की ब्रीडिंग और उनको पालने पर प्रतिबंध लगना चाहिए। कुत्तों के काटने के सभी मामलों में फ्री इलाज के साथ पीड़ित व्यक्ति और परिवार को समुचित मुआवजा मिलना चाहिए। 6. बजट : आवारा कुत्तों के बढ़ते संकट में नसबंदी, रैबीज इंजेक्शन और शेल्टर हाउस हजारों करोड़ के फंड में एनजीओ और अफसरों का भ्रष्टाचार उजागर हो रहा है। देश में 40फीसदी आबादी पोषक भोजन से वंचित है तो फिर दिल्ली के कुत्तों के विस्थापन के लिए 15 हजार करोड़ रुपए के खर्च का जुगाड़ कैसे होगा? आज भारतीय पेट-केयर का बाजार ही एक लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का है। समृद्ध वर्ग के पशु प्रेमियों को आयातित कुत्तों के बजाय आवारा कुत्तों को गोद लेने के साथ उनके कल्याण की योजनाओं को सफल बनाने के लिए सीएसआर की तर्ज पर अधिकतम आर्थिक सहयोग देना चाहिए। दिल्ली-एनसीआर में 11 लाख कुत्तों ने इस साल अभी तक लगभग 6.62 लाख लोगों को काट लिया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार रैबीज से 2004 में भारत में 20,565 सालाना मौतें हुई थीं, जो पूरी दुनिया की 35फीसदी थीं। (ये लेखक के अपने विचार हैं विराग गुप्ता)

ईरान को लेकर सऊदी अरब के खिलाफ हुए पाकिस्तान-तुर्की, खलीफा की शह पर शहबाज देंगे धोखा?

रियाद। पश्चिम एशिया में तनाव के बीच ईरान को लेकर

GETTY IMAGES

मुस्लिम देशों में विभाजन बढ़ने लगा है। रिपोर्ट से पता चलता है कि पाकिस्तान इसी मामले को लेकर सऊदी अरब के खिलाफ हो गया है। इसमें उसे तुर्की का खुलकर साथ मिला है। मिडिल ईस्ट आई की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले सप्ताह रियाद में अरब और मुस्लिम देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में तुर्की और पाकिस्तान ने ईरान की निंदा करने वाले कूटनीतिक बयान में सख्त भाषा के इस्तेमाल का विरोध किया। बैठक के बारे में जानकारी रखने वाले एक पश्चिमी अधिकारी ने एमईई को बताया कि खास तौर पर सऊदी अरब ने ईरान की सख्त निंदा पर जोर दिया था। गौरतलब है कि ईरान ने अपने ऊपर होने वाले अमेरिका और इजरायल के हमलों के जवाब में सऊदी अरब पर सैकड़ों मिसाइलें और ड्रोन दागे हैं। अधिकारी ने बताया कि तुर्की और पाकिस्तान बयान में ईरान की निंदा करने की भाषा पर राजी नहीं थे। वे बयान पर तब जाकर राजी हुए जब मिसाइलें उनके सिर के ऊपर से गुजरने लगीं। अधिकारी का इशारा ईरान के सऊदी अरब पर हमले की तरफ था। यह हमला उस समय किया गया, जब मुस्लिम और अरब देशों के विदेश मंत्री बैठक के लिए रियाद में ही मौजूद थे।तुर्की बयान में इस्तेमाल की गई भाषा पर सहमत होने के लिए तब राजी हुआ, जब ईरान ने रियाद पर ड्रोन और मिसाइल से हमला बोल दिया। तुर्की के विदेश मंत्री हाकान फिदान ने अपने ईरानी समकक्ष अब्बास अराघची से मुलाकात में यह मुद्दा उठाया। फिदान ने कहा कि तेहरान को रियाद पर हमला कम से कम तब तो रोक देना चाहिए था, जब राजनयिक वहां संघर्ष का समाधान खोजने के लिए इकठ्ठा हुए थे।सऊदी अरब के खिलाफ पाकिस्तान और तुर्की का एक साथ आना इसलिए भी ध्यान देने वाली बात है क्योंकि ईरान के खिलाफ युद्ध शुरू होने से पहले ये तीनों आपस में एक त्रिपक्षीय सुरक्षा समझौते पर बातचीत कर रहे थे। यही नहीं, इस बैठक के बाद भी इन तीनों की एक अलग बैठक हुई थी, जिसमें मिस्र के विदेश मंत्री भी शामिल हुए थे। यह बैठक एक सुरक्षा ढांचा बनाने के प्रयास से जुड़ी थी।अरब और मुस्लिम देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक से परिचित एक अन्य सूत्र का कहना है कि अगर तुर्की और पाकिस्तान ने इस बैठक में भाग नहीं लिया होता, तो रियाद घोषणापत्र में ईरान की और कड़े शब्दों में निंदा की गई होती। इस घटनाक्रम ने सऊदी और पाकिस्तान के रिश्तों को लेकर नई बहस छेड़ दी है।सऊदी और पाकिस्तान ने पिछले साल एक रक्षा समझौता किया था, जिसमें किसी देश पर हमले को दोनों देश पर हमला मानने की बात कही गई थी। इस समझौते को सऊदी अरब के अमेरिका से परे जाकर अपने रक्षा संबंधों में विविधता लाने के तौर पर देखा गया था। बाद में तुर्की ने भी इस समझौते में शामिल होने के इरादे से बातचीत शुरू की। लेकिन युद्ध के माहौल में जिस तरह तुर्की और पाकिस्तान की चाल के बाद ऐसा लगता है कि रियाद को दशकों पुराने सुरक्षा सहयोगी अमेरिका पर और भी ज्यादा निर्भर होना पड़ा है। इतना ही नहीं, समझौते के बावजूद ईरान के हमलों के खिलाफ पाकिस्तान सऊदी अरब का साथ भी देने नहीं आया। इससे भी रियाद का भरोसा इस्लामाबाद पर कम हुआ है।

मेजर इकबाल का बाप कौन? धुरंदर 2 में सुविंदर विक्की की लास्ट मिनट एंट्री,बहुत ठोकरों के बाद यहां पहुंचे

मुंबई। आदित्य धर की 'धुरंधरः द रिवेंज' में रणवीर सिंह से लेकर राकेश बेदी और गौरव गेरा तक सभी मुख्य किरदारों की तो तारीफ हो ही रही है, पर कुछ ऐसे कलाकार भी छा गए हैं, जो फिल्म में चंद मिनटों के सीन में आए, पर छा गए। इन्हीं में से एक किरदार है मेजर इकबाल बने अर्जुन रामपाल के पिता का। वह कहने को तो ब्रिगेडियर जहांगीर है, पर एकदम टॉक्सिक पिता है, जो बेटे (मेजर इकबाल) को हर वक्त गालियां देता रहता है। जितना बुरा और जितने अपशब्द बोल बोल सकता है, बोलता है। वह ऐसा रूप दिखाता है कि दर्शक भी उससे घोर नफरत करने लगते हैं और एक बार को मेजर इकबाल से सहानुभूति सी लगती है। जानते हैं यह खूंखार पिता का किरदार किस एक्टर ने निभाया है? ये हैं सुविंदर विक्की, 'रेडियो मिर्ची' को दिए इंटरव्यू में सुविंदर विक्की ने बताया कि उन्हें 'धुरंधर 2' में मेजर इकबाल के पिता का रोल कैसे ऑफर हुआ था। इस रोल को 'धुरंधर' के काफी बाद शूट किया गया, जिस कारण सुविंदर विक्की को रोल की तैयारी के लिए ज्यादा टाइम मिला नहीं, पर फिर भी वह छा गए हैं। ब्रिगेडियर जहांगीर के किरदार के जरिए उसके बेटे मेजर इकबाल की कमियां भी सामने आईं। सुविंदर विक्की ने बताया, 'पहले पार्ट के बहुत ही ज्यादा बाद शूट किया गया और इसके लिए बहुत ज्यादा टाइम मिला नहीं। एकदम से ही फोन आया और फोन मुकेश छाबड़ा का था। बताया नहीं उन्होंने पहले मुझे। सस्पेंस रखा पूरा। फिल्म का नाम भी...कुछ नहीं बताया। उन्होंने कहा कि कुछ बड़ा

करवाना है। मैंने सोचा कि अगर मुकेश बोल रहे हैं तो जाहिर है कुछ न कुछ बड़ा होगा ही। फिर उन्होंने कहा कि डेट का बता बस। मैंने कहा कि एक दिन ये खाली पड़ा है बीच में।' धुरंधर 2 के बारे में सुविंदर विक्की-पहले पार्ट के बहुत ही ज्यादा बाद शूट किया गया और इसके लिए बहुत ज्यादा टाइम मिला नहीं। एकदम से ही फोन आया और फोन मुकेश छाबड़ा का था। बताया नहीं उन्होंने पहले मुझे। सस्पेंस रखा पूरा। फिल्म का नाम भी...कुछ नहीं बताया।सुविंदर ने आगे बताया, 'मुकेश बोले कि हां चल ठीक है। दो दिन चाहिए। मैंने पूछा कि कितने दिन के सीन हैं, तो बोले कि सीन दो ही हैं। तो मैंने कहा कि दो सीन के लिए दो दिन? थोड़ा ठीक-ठीक लगा लो। तो मुकेश ने कहा कि चल फिर एक दिन में करते हैं। मैंने कहा कि अच्छा, बता तो दो कि क्या प्रोजेक्ट है, क्या सीन है, कैसे है, कुछ कॉन्ट्रैक्ट ये वो...तो बोले- बस तू आजा एक बार। ऑफिस आजा। फरवरी में तो मैंने शूट किया है। उन्होंने कहा कि सबकुछ एकदम रेडी है, बस एक-दो, एक-को ऐसे सीन हैं।'सुरिदंर विक्की ने बताया कि आदित्य धर इतने स्मार्ट हैं कि उन्होंने फिल्म में उनके किरदार के लिए गालियां भी वही रखीं, जिन पर 'बीप' न आए और सेंसर न हो पाएं। सुरिंदर बोले, 'मैंने पूरे करियर में किसी प्रोजेक्ट में इतनी गालियां नहीं दीं। विलेन का बाप तो फिर सुपर विलेन होना ही चाहिए। जब बाप ऐसा होगा, तो बेटा ऐसा होगा कम से कम। मैंने आदित्य को बोला कि यार देख ले ये सच्ची में जरूरी है तेरे लिए? ये भी, वो भी सब...बीप-बीप इतना हो जाएगा। तो आदित्य बोला कि पाजी गालियां ही वही रखी हैं जिसपे बीप ना आए। आप नोट करना कि मेरी दी कहीं किसी गाली के ऊपर बीप नहीं है। तो मैंने आदित्य से कहा कि यार तेरी रिसर्च बहुत तगड़ी है। तो बोला कि पाजी इतना करियर हो गया है। सेंसर से गुजरते हैं सब तो पता लग जाता है।'सुविंदर विक्की की बात करें, तो वह पॉपुलर पंजाबी और हिंदी एक्टर हैं। उन्होंने कई फिल्में और वेब सीरीज की हैं। वह 'कोहरा', 'पाताल लोक' और 'कैट' जैसी सीरीज में नजर आए। उन्होंने 'उड़ता पंजाब', 'केसरी', 'भैया जी', 'सच्चा सूरमा', 'मील पत्थर' और 'सुपर सिंह' जैसी फिल्में कीं। सुविंदर विक्की को एक्टिंग की दुनिया में 20 साल हो चुके हैं। वह मूल रूप से हरियाणा के सिरसा के रहने वाले हैं और पंजाब यूनिवर्सिटी से थिएटर में मास्टर्स किया है। सुविंदर विक्की ने साल 2023 में एक इंटरव्यू में बताया था कि वह मुकेश छाबड़ा का काफी लंबे समय से जानते हैं। दोनों एक-दूसरे को हंसल मेहता की फिल्म 'शाहिद' के समय से जानते हैं।सुविंदर विक्की बेशक 20 साल से एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में टिके हैं, पर उनका सफर आसान नहीं रहा। उन्हें काफी स्ट्रगल भी करना पड़ा। एक समय ऐसा भी था, जब गुजारे के लिए उन्हें इंश्योरेंस बेचने का भी काम करना पड़ा। यानी वह कभी इंश्योरेंस एजेंट थे। फिर सफलता उन्हें 50 साल की उम्र में जाकर मिली। सुविंदर विक्की ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत 2000 में फिल्म 'देस होया परदेस' से की थी। करीब एक दशक तक पंजाबी इंडस्ट्री में काम करने के बाद उन्हें हिंदी फिल्म 'उड़ता पंजाब' में काम मिला था।

'सोचा नहीं था तुम्हारी आवाज नहीं सुन पाऊंगी' ,सेलिना जेटली ने बच्चों के बर्थडे पर लिखा भावुक पोस्ट

मुंबई। एक्ट्रेस सेलिना जेटली इस वक्त बहुत ही मुश्किल दौर से गुजर रही हैं। एक तरफ जहां वह पति पीटर हाग से तलाक और बच्चों के लिए लड़ रही हैं, तो दूसरी ओर भाई के लिए लड़ रही हैं, जो यूएई सरकार की हिरासत में हैं। इस बीच एक्ट्रेस जुड़वां बेटों को याद कर भावुक हो गईं और लंबा-चौड़ा पोस्ट लिखा है। दरअसल, सेलिना के बेटों- विन्सटन और विराज का 14वां बर्थडे है, पर वह उनसे काफी दूर हैं। न तो उन्हें देख पाई हैं और ना ही आवाज सुन पाई हैं और यही बात उनका कलेजा चीर गई। सेलिना जेटली ने दोनों बेटों के 14वें बर्थडे पर अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर उनके साथ अपनी तस्वीर शेयर की और बताया कि कैसे उन्होंने सोचा भी नहीं था कि वह महीनों तक अपने जिगर के टुकड़ों की आवाज भी नहीं सुन पाएंगी। सेलिना ने लिखा है, 'मेरे प्यारे विंस्टन और विराज, अर्थू और शमशेर, तुम हमेशा मेरे सबसे अनमोल रत्न और लाइफ की बेस्ट अचीवमेंट रहोगे। ईश्वर ने मुझे तुम्हारी मां बनने का सौभाग्य दिया है और मैं इस आशीर्वाद को गर्व से संजोकर रखूंगी, चाहे मैं कहीं भी रहूँ। विंस्टन और विराज, मुझे अपनी मां चुनने के लिए धन्यवाद। मुझे तुम पर बहुत गर्व है। मैं उम्मीद करती हूं कि यह संदेश हर दूरी पार करके तुम तक पहुंचे। मुझे उम्मीद है कि ब्रह्मांड आज हमारे दिलों को जोड़ने का अवसर देगा। महसूस करती हूं। मैं सब कुछ लाखों बार फिर से करने को तैयार हूं, ताकि तुम्हें फिर से अपनी बाहों में समेट सकूं।' सेलिना जेटली का बेटों के नाम पोस्ट- 'मैंने कभी सोचा

भी नहीं था कि मैं वहां नहीं रह पाऊंगी। इतने महीनों तक तुम्हारी आवाजें नहीं सुन पाऊंगी और तुम्हारे चेहरे नहीं देख पाऊंगी और 14वां बर्थडे आ जाएगा।' सेलिना जेटली ने आगे लिखा है, 'विंस्टन, विराज, अर्थू और शमशेर, तुम हमेशा मेरे सबसे अनमोल रत्न और लाइफ की बेस्ट अचीवमेंट रहोगे। ईश्वर ने मुझे तुम्हारी मां बनने का सौभाग्य दिया है और मैं इस आशीर्वाद को गर्व से संजोकर रखूंगी, चाहे मैं कहीं भी रहूँ। विंस्टन और विराज, मुझे अपनी मां चुनने के लिए धन्यवाद। मुझे तुम पर बहुत गर्व है। मैं उम्मीद करती हूं कि यह संदेश हर दूरी पार करके तुम तक पहुंचे। मुझे उम्मीद है कि ब्रह्मांड आज हमारे दिलों को जोड़ने का अवसर देगा। मेरा प्यार तुम तक पहुंचेगा। मेरी प्रार्थनाएं तुम तक पहुंचेंगी। मुझे उम्मीद है कि तुम्हें मेरा लेटर और गिफ्ट मिलेंगे, जो मैंने तुम्हें भेजे हैं। मुझे उम्मीद है कि आज मैं तुमसे मिल सकूंगी और बात कर सकूंगी।' सेलिना जेटली-'उम्मीद करती हूं कि यह संदेश हर दूरी पार करके तुम तक पहुंचे। मेरा प्यार तुम तक पहुंचेगा। मेरी प्रार्थनाएं तुम तक पहुंचेंगी। मुझे उम्मीद है कि तुम्हें मेरा लेटर और गिफ्ट मिलेंगे। मुझे उम्मीद है कि आज मैं तुमसे मिल सकूंगी और बात कर सकूंगी।सेलिना जेटली ने पोस्ट में आगे लिखा है, 'मैं जो कुछ भी कर रही हूं, हमारे भविष्य के लिए कर रही हूं ताकि हम आगे परिवार की तरह साथ रह सकें। याद रखना तुमने जो भी सपने देखते हैं, उन्हें पूरा कर सकते हो। जिंदगी तुम्हें जो भी अच्छाई दे, उसे दूसरों तक पहुंचाना। जब तक मां तुम्हें फिर गले न लगा ले, सुरक्षित रहना, स्ट्रॉन्ग रहना और यह जान लेना कि मैं जो कुछ भी कर रही हूं, वह हमारे भविष्य के लिए है ताकि हम फिर से एक परिवार के रूप में साथ हो सकें। मां तुमसे इस दुनिया से भी बढ़कर प्यार करती है।'मालूम हो कि सेलिना जेटली ने 2010 में ऑस्ट्रियाई बिजनेसमैन पीटर हाग से शादी की थी। उनके तीन बेटे हैं। जहां साल 2012 में वह बेटे विंस्टन और विराज के पैरेंट्स बने तो एक बेटा आर्थर साल 2017 में पैदा हुआ था। वहीं एक बेटे शमशेर की जन्म के कुछ समय बाद ही साल 2017 में हाइपोप्लास्टिक हार्ट कंडीशन के कारण मौत हो गई थी।सेलिना जेटली ने कुछ महीने पहले ही पति पर घरेलू हिंसा और मारपीट का आरोप लगाते हुए मुंबई की एक लोकल कोर्ट में केस दर्ज करवाया था और उसी कारण ऑस्ट्रिया से भारत वापस लौट आई थीं। सेलिना ने पति पीटर हाग पर सेक्शुअल, फिजिकल और इमोशनल एब्यूज के आरोप लगाए थे। साथ ही 50 करोड़ रुपये का मुआवजा और हर महीने 10 लाख रुपये का मेंटेनेंस मांगा। सेलिना ने अपने तीनों बच्चों की कस्टडी भी मांगी, जो फिलहाल पति के साथ ऑस्ट्रिया में रह रहे हैं। सेलिना ने पति पर यह भी आरोप लगाया था कि उन्होंने एक्ट्रेस पर 2014 के आखिर और 2015 की शुरुआत में कंपनी के बोर्ड डायरेक्टर्स के साथ यौन संबंध बनाने का दबाव बनाया था। साथ ही वह एक्ट्रेस के प्राइवेट पार्ट में रॉड डालने की धमकी देते थे।

कटरीना की राह नहीं थी आसान,पिता ने छोड़ा साथ, मां ने अकेले पाला,महेश भट्ट ने रातों-रात फिल्म से निकाला

मुंबई। बॉलीवुड की बार्बी गर्ल कटरीना कैफ भले ही आज इंडस्ट्री की टॉप एक्ट्रेसेज में शुमार हैं, लेकिन यहां तक पहुंचना उनके लिए कभी आसान नहीं रहा। जब कटरीना बहुत छोटी थीं, तभी उनके माता-पिता का तलाक हो गया था। पिता ने अलग होने के बाद किसी भी तरह की आर्थिक मदद नहीं की। ऐसे में उनकी मां ने ही अकेले ही सभी आठ बच्चों की परवरिश की। घर की स्थिति को देखते हुए कटरीना कैफ ने महज 14 साल की उम्र में मॉडलिंग शुरू कर दी थी। इसके बाद उन्हें मॉडलिंग के कई प्रोजेक्ट्स मिलने लगे। इसी दौरान कटरीना अपने दोस्तों के साथ भारत घूमने आईं। भले ही यह सिर्फ एक आम ट्रिप थी, लेकिन उन्हें खुद भी नहीं पता था कि यह सफर उनकी जिंदगी की दिशा ही बदल देगा। भारत आने के बाद कटरीना ने फिल्म बूम से डेब्यू किया, लेकिन यह बुरी तरह से फ्लॉप हो गई। महेश भट्ट ने भी अपनी फिल्म से रातों-रात उन्हें निकाल दिया था। ऐसे में कटरीना को लगा कि उनका फिल्मी करियर खत्म हो गया है, लेकिन उनकी किस्मत हर दो साल में देश बदलना पड़ता था। ऐसे में कभी कटरीना चीन चली गईं, तो कभी जापान, फिर फ्रांस, स्विट्जरलैंड, पोलैंड, बेल्जियम, हवाई और फिर जब वह 14 साल की थीं, तब अपने परिवार के साथ लंदन में बस गईं। बार-बार देश बदलने की वजह से कटरीना कभी स्कूल नहीं जा पाईं। उनकी मां ने बच्चों की पढ़ाई के लिए घर पर ही ट्यूटर लगाए थे।घर की आर्थिक स्थिति को देखते हुए कटरीना ने महज 14 साल की उम्र में मॉडलिंग की दुनिया में कदम रख दिया था। उन्होंने हवाई में हुए एक ब्यूटी कॉन्टेस्ट में हिस्सा लिया और उसे जीता भी। इसके बाद कटरीना को ज्वेलरी ब्रांड के लिए मॉडलिंग करने का मौका मिला और फिर उन्हें लगातार मॉडलिंग प्रोजेक्ट्स मिलने लगे। कटरीना का हुनर उन्हें लंदन फैशन वीक तक ले गया और वो लंदन में ही प्रोफेशनल मॉडल के तौर पर काम करने लगीं। कटरीना कैफ मॉडलिंग की दुनिया में काफी अच्छा काम कर रही थीं। इसी दौरान उनके कई दोस्त भी बने। एक दिन सभी ने मिलकर भारत घूमने का

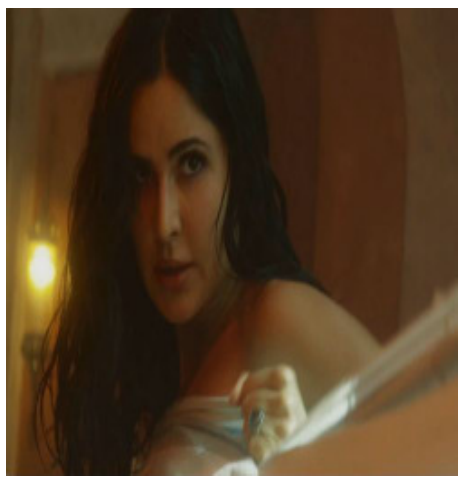

तब बदली जब सलमान खान उनकी जिंदगी में आए।कटरीना के पिता मोहम्मद कैफ कश्मीरी मूल के थे, जबकि उनकी मां सुजैन टर्कोट ब्रिटिश नागरिक थीं। शादी के बाद कटरीना के माता-पिता हॉन्गकॉन्ग में बस गए। कटरीना का जन्म अपने बड़े भाई सेबेस्टियन और तीन बड़ी बहनों स्टेफनी, क्रिस्टीन और नताशा के बाद हुआ। कटरीना के बाद तीन और छोटी बहनों मेलिसा, सोनिया और इसाबेल का जन्म हुआ। शुरुआत में सब कुछ ठीक था, लेकिन बाद में कटरीना के माता-पिता के बीच मतभेद बढ़ने लगे, जिस कारण दोनों ने तलाक ले लिया। पिता ने आठों बच्चों की जिम्मेदारी मां सुजैन पर छोड़ दी और न ही कभी किसी तरह की आर्थिक मदद दी। ऐसे में सुजैन ने ही अकेले आठों बच्चों का पालन-पोषण किया। कटरीना कैफ ने इंटरव्यू के दौरान कहा था, पिता के न होने से जिंदगी में एक खालीपन होता है, जिससे हर लड़की असुरक्षित महसूस करती है। जब मेरे बच्चे होंगे तो मैं कोशिश करूंगी कि उन्हें मां और पिता दोनों का प्यार मिले।कटरीना की मां सुजैन एक सामाजिक संस्था में काम करने लगीं। इसके चलते उन्हें प्लान बनाया, जिसमें कटरीना भी शामिल हो गईं। जैसे ही वह भारत आईं, उन्होंने यहां एक फैशन शो में रैंप वॉक किया। इसी दौरान फिल्ममेकर कैंजाद गुस्ताद की नजर उन पर पड़ी और उन्होंने उन्हें अपनी फिल्म बूम में कास्ट करने का फैसला किया। हालांकि इसका यह मतलब नहीं है कि यहीं से कटरीना सीधे बॉलीवुड की टॉप हीरोइनों में शुमार हो गईं। इस मुकाम तक पहुंचने के लिए उन्हें कई रिजेक्शन और आलोचनाओं का सामना करना पड़ा। कटरीना ने फिल्म बूम (2003) से बॉलीवुड में डेब्यू तो किया, लेकिन अमिताभ बच्चन, गुलशन ग्रोवर और जैकी श्रॉफ जैसे बड़े स्टार्स के होने के बावजूद फिल्म बुरी तरह फ्लॉप हो गई। फिल्म में कटरीना और गुलशन ग्रोवर के बीच बोल्ड सीन्स भी थे, जो काफी चर्चा में रहे। पिता के जाने के बाद से ही कटरीना मां सुजैन टर्कोट का सरनेम ही इस्तेमाल करती आई थीं, लेकिन फिल्मों में आने के लिए उन्होंने पिता का सरनेम इस्तेमाल किया, जिससे लोग इसे आसानी से प्रोनाउंस कर सकें।कटरीना कैफ को महेश भट्ट ने फिल्म साया के लिए साइन किया था। ऑडिशन के दौरान महेश भट्ट को

एक्टिंग कर पा रही थीं और न ही हिंदी बोल पा रही थीं। यह देख महेश भट्ट काफी नाराज हो गए और उन्होंने पहले ही दिन कटरीना को फिल्म से बाहर कर दिया। इसके बाद फिल्म में कटरीना की जगह तारा शर्मा को जॉन अब्राहम के अपोजिट कास्ट किया गया। एक इंटरव्यू में इस अनुभव को याद करते हुए कटरीना ने कहा था, मैं बहुत रोई थी। मुझे लगा जैसे मेरी जिंदगी खत्म हो गई है। मुझे यह भी लगा कि शायद मेरा करियर अब कभी शुरू नहीं हो पाएगा।बूम और साया के बाद लंबे समय तक कटरीना को कोई फिल?म नहीं मिली। ऐसे में फिर उन्होंने साउथ इंडस्ट्री में एंट्री की। साल 2004 में तेलुगु फिल्म मल्लिसवरी में काम किया। इस फिल्म के लिए कटरीना 7.5 लाख रुपए फीस चार्ज कर साउथ की हाईएस्ट पेड एक्ट्रेस बनीं। इस फिल्म के लिए कटरीना को फिल्मफेयर

में साउथ की बेस्ट एक्ट्रेस के लिए नॉमिनेट किया गया था। इसके बाद कटरीना की एक्टिंग काफी पसंद आई थी, लेकिन जब फिल्म की शूटिंग का पहला दिन आया, तो हालात कुछ और ही निकले। कटरीना न तो ठीक से फिर कटरीना फिल्म सरकार में अभिषेक बच्चन की गर्लफ्रेंड के रोल में दिखीं। भले ही उनका किरदार छोटा था, लेकिन उनकी खूबसूरती ने लोगों का दिल जीत लिया।जब कटरीना मॉडलिंग कर रही थीं उस दौरान उनकी दोस्ती सलमान खान की बहन अलवीरा खान से हुई। अलवीरा ने एक बार सलमान के जन्मदिन पर कटरीना को इनवाइट किया, जो उनके ही घर पर थी। जब कटरीना उनके घर पहुंचीं तो सलमान खान अचानक बिना शर्ट पहने कमरे से बाहर आ गए और कटरीना उन्हें देखकर हंसने लगीं। हालांकि उस वक्त वह यह नहीं जानती थीं कि सलमान एक सुपरस्टार हैं। कटरीना को हंसता देखकर सलमान ने सफाई में कहा कि मैं बस नहाकर ही निकला हूं, मुझे नहीं पता था कि मेहमान पहले ही आ चुके हैं और मेरा इंतजार कर रहे हैं। इसके बाद पार्टी में दोनों की छोटी सी बातचीत में ही दोस्ती हो गई। फिर कुछ समय बाद सलमान ने कटरीना को अपनी अगली फिल्म मैंने प्यार क्यों किया का ऑफर दे दिया। यह फिल्म कटरीना के करियर के लिए टर्निंग पॉइंट साबित हुई। इससे न सिर्फ उन्हें अलग पहचान मिली, बल्कि कई फिल्मों के ऑफर भी मिलने लगे। कटरीना फिर हमको दीवाना कर गए, नमस्ते लंदन, वेलकम, पार्टनर, सिंह इज किंग, अजब प्रेम की गजब कहानी और राजनीति जैसी कई हिट फिल्मों में नजर आईं।साल 2005 में कटरीना कैफ और सलमान खान पहली बार फिल्म मैंने प्यार क्यों किया में साथ नजर आए थे। यह फिल्म न सिर्फ हिट साबित हुई, बल्कि दोनों की जोड़ी को भी दर्शकों ने खूब पसंद किया। जल्द ही अखबारों और मैगजीन में दोनों के अफेयर की चर्चाएं होने लगीं, हालांकि दोनों ने कभी अपने रिश्ते पर कोई रिएक्शन नहीं दिया। इसके बाद साल 2007 में दोनों फिल्म पार्टनर में दोबारा साथ नजर आए, लेकिन इसी साल सलमान को 1998 में हम साथ-साथ हैं की शूटिंग के दौरान हुए चिंकारा शिकार मामले में 25 अगस्त 2007 को गिरफ्तार कर लिया गया। इस दौरान कटरीना सलमान से मिलने जोधपुर जेल भी गईं। कटरीना हर सुख-दुख में सलमान के साथ खड़ी रहीं। सलमान भी कटरीना की सुरक्षा को लेकर इतने चिंतित रहते थे कि जब वे साथ नहीं होते, तो अपने बॉडीगार्ड

शेरा को कटरीना के साथ भेजते थे। कई सालों तक दोनों ने एक-दूसरे को डेट किया और फैंस को लगने लगा था कि वे जल्द ही शादी कर लेंगे। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। दोनों का ब्रेकअप हो गया और इसके पीछे की वजह रणबीर कपूर को माना जाता है।सलमान खान से अलग होने के बाद कटरीना कैफ का नाम रणबीर कपूर से जुड़ा।

2013 में स्टारडस्ट में छपी एक वेकेशन फोटो से उनका रिश्ता कन्फर्म हुआ था। प्राइवेट वेकेशन की तस्वीर सामने आने पर कटरीना ने भड़कते हुए इस पर रिएक्शन दिया था। कुछ समय बाद दोनों लिव-इन में रहने लगे और शादी की खबरें भी लगातार सामने आने लगीं। इसी बीच एक बार करीना कपूर, रणबीर के साथ करण जौहर के शो कॉफी विद करण में पहुंची थीं। करण ने रैपिड फायर राउंड में करीना से पूछा कि वो किस एक्ट्रेस के साथ गे एनकाउंटर कर सकती हैं। इसके जवाब में करीना ने कहा था कि वो अपनी भाभी कटरीना के साथ गे एनकाउंटर करने में कंफर्टेबल रहेंगी।

हालांकि यह रिश्ता भी नहीं चल सका और 2016 में अचानक दोनों अलग हो गए।विक्की कौशल और कटरीना कैफ की लव स्टोरी काफी प्राइवेट रही है। कहा जाता है कि दोनों की पहली मुलाकात जोया अख्तर के घर पर हुई थी, लेकिन पिंकविला से बात करते हुए विक्की ने बताया था कि शो होस्टिंग के दौरान वह पहली बार कटरीना से मिले थे।उन्होंने कहा था, 'मैं शो की मेजबानी कर रहा था और मुझे लगता है कि यह पहली बार था, जब मैं उनसे मिला और हमारी बात हुई। स्टेज पर तो कान में इयर पीस लगा होता है। लोग पीछे से गाइड करते रहते हैं कि ऐसा करो, वैसा करो। सब कुछ स्क्रिप्टेड होता है, लेकिन स्टेज के पीछे यह पहली बार था जब हमने एक-दूसरे को फॉर्मली इंट्रोडक्शन दिया। इसके बाद से ही दोनों की डेटिंग की खबरें भी आने लगी थीं। वहीं, साल 2020 में कटरीना ने एक सफेद हुडी में तस्वीर शेयर की थी, जो कि असल में विक्की की थी। इसके बाद ही दोनों की कपड़ों की अदला-बदली ने रिलेशनशिप की अफवाहों को कन्फर्म कर दिया।लंबे समय तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद 9 दिसंबर, 2021 को दोनों शादी के बंधन में बंध गए। दोनों ने राजस्थान के माधोपुर के फोर्ट बरवाड़ा में सात फेरे लिए थे।उनकी शादी में हल्दी, मेहंदी, संगीत, जयमाला और सात फेरे सहित सभी पारंपरिक रीति-रिवाज शामिल थे।

शादी के बाद कटरीना कैफ अपनी मैरिड लाइफ को खूब एन्जॉय करती नजर आती हैं। वे अक्सर अपने सास-ससुर और देवर के साथ तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं।2010 और 2011 में बार्बी डॉल बनाने वाली कंपनी मेटल ने भारत में कटरीना कैफ की बार्बी लॉन्च की थी। कटरीना पहली बॉलीवुड एक्ट्रेस हैं जिनकी बार्बी डॉल बनाई गई है।

इसके अलावा यूके मैगजीन ईस्टर्न आई ने 2008-10 तक कटरीना को सेक्सिएस्ट एशियन वुमन का दर्जा दिया था। 2015 में लंदन के मैडम तुसाद म्यूजियम में कटरीना कैफ का वैक्स स्टैच्यू भी लगा।

वध 2 ओटीटी रिलीज,घर बैठे देखिए नीना गुप्ता और संजय मिश्रा की दमदार थ्रिलर, जानिए कब और कहां

मुंबई। संजय मिश्रा और नीना गुप्ता की थ्रिलर फिल्म 'वध 2' अब ओटीटी पर धमाल मचाने को तैयार है। यह फिल्म

6 फरवरी 2026 को थिएटर्स में रिलीज हुई थी, और अब आप इसे घर बैठे ओटीटी पर देख सकते हैं। यह साल 2022 में आई फिल्म का सीक्वल है, जिसे दर्शकों से खूब अच्छा रिस्पॉन्स मिला था। वहीं सीक्वल में प्यार और मोहब्बत के साथ बदले और अपराध की कहानी है, और इसे भी काफी पसंद किया गया था। 'वध 2' की कहानी क्या है, और इसे ओटीटी पर कब-कहां देख सकते हैं, यहां बता रहे हैं. 'वध 2' की कहानी-फिल्म 'वध 2' की कहानी साल 1994 से शुरू होती है, जब मंजू देवी को डबल मर्डर के आरोप में 28 साल की सजा सुनाई जाती है। फिर कहानी 28 साल आगे बढ़ती है। दिखाया जाता है कि मंजू देवी जेल में बंद है। और वहीं पर गार्ड शंभूनाथ मिश्रा (संजय मिश्रा) है, जो मंजू से बहुत प्यार करता है। मंजू या जेल की किसी भी महिला कैदी को किसी भी चीज की जरूरत होती है, तो वह शंभूनाथ को फोन करती है, और वह उन्हें वह चीज पहुंचा देता है। जेल में एक बड़े नेता का भाई केशव भी कैदी है, पर वहां उसका राज चलता है और वह सभी कैदियों के साथ मारपीट करता है। एक दिन केशव की नजर एक महिला कैदी पर पड़ती हैं और नीयत खराब हो जाती है। फिर अचानक केशव गायब हो जाता है। केशव के साथ क्या होता है और वह कहां गया, 'वध 2' की कहानी इसी के इर्द-गिर्द घूमती है और ट्विस्ट भरी है।नीना गुप्ता और संजय मिश्रा स्टारर 'वध 2' को 3 अप्रैल से ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम किया जाएगा। इसे आप मुफ्त में घर बैठे आराम और सुकून के साथ देख सकते हैं।'वध 2' को जसपाल सिंह संधू ने डायरेक्ट किया है और वही इसके राइटर भी हैं। फिल्म के बजट और कमाई की बात करें, तो रिपोर्ट्स के मुताबिक, इसे 10 करोड़ में बनाया गया था और इसने 3.77-3.83 करोड़ रुपये ही कमाए थे। यह अपनी लागत का आधा भी नहीं वसूल पाई थी। 'वध 2' को तब 'बॉर्डर 2' और 'मर्दानी 3' जैसी फिल्मों से कड़ी टक्कर मिली थी, जो 23 जनवरी और 30 जनवरी को रिलीज हुई थीं। उसी के एक-दो हफ्ते बाद 'वध 2' ने सिनेमाघरों में दस्तक दी थी। अब जब यह ओटीटी पर आ रही है, तो देखने वाली बात होगी कि कैसा रिस्पॉन्स मिलेगा।

स्वत्वाधिकारी
एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स
53/25/1 ए बेली रोड
न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र) 211002 से
मुद्रित एवं सी-41यूपी
एसआईडीसी औद्योगिक
क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com
नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।